आषाढ़ शुक्ल पक्ष -9, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 17 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
22 जुलाई 2026 बुधवार

आज का मौसम
26.5 अधिकतम
23.6 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, बस ये तीन काम कर दीजिए...

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मेरी तीन विनम्र, लेकिन अत्यंत गंभीर प्रार्थनाएँ हैं...

पहली, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से तत्काल इस्तीफ़ा ले लिया जाए।

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

दूसरी, सर्वोच्च न्यायालय की अनुमति और निगरानी में अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की कार्यप्रणाली की व्यापक समीक्षा कराई जाए। यदि जाँच में गंभीर प्रशासनिक या वित्तीय अनियमितताएँ सामने आती हैं, तो आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए ट्रस्ट का पुनर्गठन किया जाए। राम मंदिर केवल करोड़ों हिंदुओं की आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि राष्ट्र की अस्मिता का प्रतीक है। उस पर भ्रष्टाचार या अपारदर्शिता का एक भी दाग पूरे समाज को पीड़ा देता है।

मेरा सुझाव है कि मंदिर में चढ़ावे की गिनती और वित्तीय प्रबंधन पूरी तरह तकनीक आधारित और पारदर्शी बनाया जाए। प्रत्येक कर्मचारी के लिए स्पष्ट आचार संहिता हो, सीसीटीवी की 24 घंटे निगरानी हो, प्रतिदिन की रिकॉर्डिंग का स्वतंत्र ऑडिट हो तथा पूरा डिजिटल रिकॉर्ड सुरक्षित रखा जाए। व्यवस्था ऐसी हो कि भविष्य में किसी भी प्रकार की शंका की कोई गुंजाइश ही न बचे।

अब इन दोनों आग्रहों के पीछे का कारण...

मेरे विचार से धर्मेंद्र प्रधान संगठन के एक कुशल नेता हो सकते हैं, लेकिन शिक्षा मंत्रालय जैसे संवेदनशील विभाग में उनकी जवाबदेही तय होना आवश्यक है। पिछले कुछ वर्षों में प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक, भर्ती अनियमितताओं और परीक्षा प्रणाली पर लगातार उठते सवालों ने करोड़ों युवाओं के विश्वास को गहरी चोट पहुँचाई है। सरकारें केवल चुनाव नहीं जीततीं, वे जनता का विश्वास भी अर्जित करती हैं। जब युवाओं का भरोसा डगमगाने लगे तो राजनीतिक जवाबदेही तय होना लोकतंत्र की स्वाभाविक अपेक्षा है। मेरा मानना है कि जिन संगठित गिरोहों ने परीक्षा प्रणाली को प्रभावित किया, उनकी कार्यप्रणाली, संरक्षण और नेटवर्क को समय रहते पहचानने में गंभीर चूक हुई। इसका राजनीतिक नुकसान केवल शिक्षा मंत्रालय को नहीं, पूरी सरकार को उठाना पड़ा। लेकिन, बहस केवल वर्तमान सरकार तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। जो राजनीतिक दल आज परीक्षा प्रणाली की शुचिता पर सबसे अधिक प्रश्न उठा रहे हैं, उन्हें अपने शासनकाल का रिकॉर्ड भी देश के सामने रखना चाहिए। बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और अन्य राज्यों में अलग-अलग समय पर भर्ती प्रक्रियाओं को लेकर गंभीर विवाद सामने आए। व्यापम घोटाला भी देश के सामने रहा है। ऐसे अनेक उदाहरण हैं जिन पर वर्षों से बहस होती रही है। सवाल यह है कि क्या किसी ने पूरे देश की भर्ती व्यवस्था का निष्पक्ष और समग्र परीक्षण कराने का साहस दिखाया?

इसीलिए, मेरी तीसरी और सबसे महत्वपूर्ण प्रार्थना...

केंद्र सरकार पूरे देश में पिछले कई दशकों की प्रमुख भर्ती परीक्षाओं और नियुक्तियों की निष्पक्ष जाँच के लिए एक स्वतंत्र राष्ट्रीय आयोग गठित करे। यदि सरकार स्वयं आयोग बनाएगी तो विपक्ष उसकी निष्पक्षता पर प्रश्न उठाएगा। इसलिए बेहतर होगा कि आयोग का गठन सर्वोच्च न्यायालय की निगरानी में या सर्वदलीय सहमति से किया जाए। यह आयोग केवल पेपर लीक की घटनाओं की जाँच न करे, बल्कि यह भी पता लगाए कि किन-किन स्तरों पर राजनीतिक हस्तक्षेप, प्रशासनिक मिलीभगत, संगठित गिरोहों और भ्रष्ट तंत्र ने युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया। यदि किसी मंत्री, किसी बड़े अधिकारी, किसी कर्मचारी या किसी प्रभावशाली व्यक्ति की भूमिका सामने आती है तो उसके विरुद्ध बिना किसी भेदभाव के कठोर कार्रवाई हो। मेरे पास वर्षों की पत्रकारिता के दौरान अनेक घटनाओं और उदाहरणों का अनुभव है। लेकिन मेरा उद्देश्य किसी व्यक्ति विशेष पर आरोप लगाना नहीं है। मेरा आग्रह केवल इतना है कि सच्चाई एक स्वतंत्र और निष्पक्ष जाँच के माध्यम से देश के सामने आए। निर्णय आरोपों से नहीं, बल्कि तथ्यों और साक्ष्यों से होना चाहिए।

देश का युवा केवल एक अवसर चाहता है - ईमानदार अवसर। उसे यह विश्वास मिलना चाहिए कि उसकी मेहनत किसी माफिया, किसी भ्रष्ट अधिकारी या किसी राजनीतिक संरक्षण की भेंट नहीं चढ़ेगी। उसी तरह करोड़ों रामभक्त यह भरोसा चाहते हैं कि प्रभु श्रीराम के मंदिर की व्यवस्था पर कभी कोई प्रश्नचिह्न न लगे।

यदि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन तीन मोर्चों पर कठोर, पारदर्शी और साहसिक निर्णय लेते हैं, तो यह केवल प्रशासनिक सुधार नहीं होगा, यह देश की दो सबसे बड़ी पूँजियों - युवाओं के विश्वास और आस्था की पवित्रता की रक्षा का ऐतिहासिक निर्णय होगा।

न्यूज विंडो

लगातार 11वीं रात अमेरिका ने ईरान के 5 शहरों पर बम बरसाए

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका ने आज तड़के ईरान के पांच शहरों में एक साथ एयर और मिसाइल स्ट्राइक की। ईरानी अधिकारियों के मुताबिक चाबहार, कोनारक, तबरीज, बेहबहान और ओमीदियेह को निशाना बनाया गया। सीजफायर टूटने के बाद यह लगातार 11वीं रात है, जब अमेरिका ने ईरान पर हमला किया है।

आंध्र प्रदेश में फिर कोरोना की दस्तक, 7 नए मामले आए सामने

अमरावती। आंध्र प्रदेश में कोरोना वायरस के 7 नए मामले सामने आए हैं। इसके साथ ही, राज्य में कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 26 हो गई है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, नए मामलों में से 4 मामले गुंटूर जिले से, 2 पूर्वी गोदावरी से और 1 मामला बापटला से सामने आया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि ये मामले अलग-अलग इलाकों से हैं और राज्य में कहीं भी संक्रमण का बड़ा फैलाव यानी क्लस्टर आउटब्रेक नहीं है।

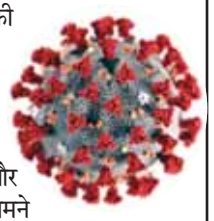

फर्जी मार्कशीट बनाने वाले गैंग का पर्दाफाश, 3 आरोपियों को दबोचा

शाहदरा। शाहदरा जिले की स्पेशल स्टाफ टीम ने फर्जी शैक्षणिक प्रमाण पत्र और मार्कशीट तैयार कर बेचने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से फर्जी 10वीं और 12वीं की मार्कशीट, एक लैपटॉप, प्रिंटर तथा दस्तावेज तैयार करने में इस्तेमाल होने वाले अन्य उपकरण बरामद किए हैं। पुलिस ने एक कर्मचारी को फर्जी ग्राहक बनाकर आरोपी से वॉट्सऐप के माध्यम से संपर्क कराया और उससे 12वीं की फर्जी मार्कशीट तैयार करने के लिए फोटो, 10वीं की मार्कशीट और आधार कार्ड भेजा।

आज का कार्टून

संसद में गतिरोध जारी... काले कपड़े पहनकर पहुंचे विपक्षी दलों के सांसद

कॉकरोच पार्टी समर्थकों की पिटाई पर हंगामा अखिलेश बोले- पुलिस ने बेटियों के कपड़े फाड़े

नई दिल्ली, एजेंसी

संसद में आज नीट पेपर लीक और कॉकरोच जनता पार्टी के समर्थकों पर लाठीचार्ज के मुद्दे पर विपक्ष ने हंगामा किया। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने लोकसभा में कहा- 20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान पुलिस को बेटियों के कपड़े फाड़ने का अधिकार किसने दिया? जबकि संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि सरकार नीट पेपर लीक पर सदन में चर्चा के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि चर्चा नियमों के तहत होती है। सभी दलों के साथ मिलकर स्पीकर तय करें। युवाओं के भविष्य के लिए सार्थक चर्चा हो। लोकसभा की कार्यवाही सुबह हंगामे के चलते एक मिनट बाद ही कार्यवाही स्थगित कर दी गई। दोपहर 12 बजे कार्यवाही दोबारा शुरू हुई, लेकिन 5 मिनट बाद फिर से दोपहर 2 बजे तक स्थगित करनी पड़ी।

राहुल गांधी समेत कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के सांसद काले कपड़े पहनकर संसद पहुंचे हैं। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने संसद की कार्यवाही शुरू होने से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि राहुल गांधी छात्रों के मुद्दे पर राजनीति कर रहे हैं।विपक्ष ने पेपर लीक और जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों की मांग को लेकर सदन में चर्चा की मांग की। उधर जंतर-मंतर और आसपास के इलाकों में लगातार जारी प्रदर्शनों के चलते सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने 16 मेट्रो स्टेशनों को अगले आदेश तक बंद रखने का फैसला किया है।

भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने सदन की कार्रवाई शुरू होने से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि राहुल गैर-जिम्मेदार है। वे बच्चों के पीछे राजनीति चमका रहे हैं। सदन में संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने भी कहा- सरकार नीट पेपर लीक पर चर्चा के लिए तैयार है। चर्चा नियमों के तहत होती है। सभी दलों के साथ मिलकर स्पीकर समय तय करें। युवाओं के भविष्य के लिए सार्थक चर्चा हो। राज्यसभा में कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी और सैयद नासिर हुसैन ने स्थगन प्रस्ताव का नोटिस देकर छात्रों पर पुलिस कार्रवाई और देश की परीक्षा व्यवस्था पर चर्चा की मांग की।

जंतर-मंतर पर जमे हुए हैं प्रदर्शनकारी, 16 मेट्रो स्टेशन बंद किये गए

कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के सांसद काले कपड़े पहनकर संसद पहुंचे।

बंद मेट्रो स्टेशनों की लिस्ट जारी

दिल्ली में बंद किए गए स्टेशनों में लोक कल्याण मार्ग, राजीव चौक, पटेल चौक, रामकृष्ण आश्रम मार्ग, बाराखंभा रोड, सुप्रीम कोर्ट, सेवा तीर्थ, जनपथ, मंडी हाउस, केंद्रीय सचिवालय, आईटीओ, दिल्ली गेट, इंद्रप्रस्थ, खान मार्केट, जोर बाग और शिवाजी स्टेडियम शामिल हैं। सोमवार को राजीव चौक मेट्रो स्टेशन पर प्रदर्शनकारियों के पहुंचने के बाद अफरा-तफरी की स्थिति बनी थी। इसके बाद जंतर-मंतर, कनॉट प्लेस और आसपास के संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई। जंतर-मंतर के आसपास राजीव चौक, केंद्रीय सचिवालय, पटेल चौक और बाराखंबा रोड मेट्रो स्टेशनों पर पुलिस की निगरानी बढ़ाई गई है।

मप्र: काली पट्टी बांध विधानसभा आए कांग्रेस विधायक

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के तीसरे दिन आज नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार समेत कांग्रेस विधायक हाथों में काली पट्टी बांधकर विधानसभा पहुंचे। उन्होंने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। शून्यकाल में नेता प्रतिपक्ष ने दिल्ली में छात्रों के साथ हुई मारपीट और कांग्रेस नेताओं की गिरफ्तारी का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने इसी मुद्दे को लेकर धरना-प्रदर्शन किया था। सिंघार ने आरोप लगाया कि मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने छात्रों को 'कीड़ा' कहा था, इसलिए इस विषय पर सदन में चर्चा कराई जाए।

हिंसा मामले में 10 एफआईआर दर्ज: इधर, 20 जुलाई को सीजेपी के संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा के मामले में दिल्ली पुलिस ने 10 एफआईआर दर्ज की हैं। इनमें संसद मार्ग थाने में चार, कनॉट प्लेस में तीन और मंदिर मार्ग, बाराखंभा रोड तथा कर्तव्य पथ थाने में एक-एक एफआईआर शामिल है।

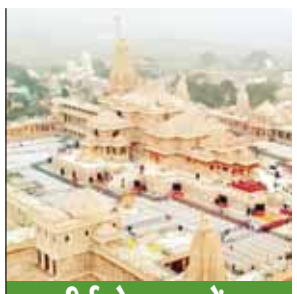

सीईओ पर सस्पेंस

आज तय होंगे राम मंदिर के नए ट्रस्टी

अयोध्या। अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में ट्रस्टियों के तीन रिक्त पद भरने के लिए अलग-अलग स्तर पर चल रही मंथन की प्रक्रिया को अब अंतिम रूप दिया जा चुका है। इसके लिए संगठन के अलावा संघ नेतृत्व के निर्देश पर मंदिर आंदोलन से जुड़े संतों के नामों पर भी मंथन किया गया। करीब आधा दर्जन संतों के नाम पर अंतिम फैसला होना है। संघ की ओर से जिन आधा दर्जन संतों के नामों का अंतिम रूप से विचार के लिए चयन किया गया है उनमें अयोध्या के मनीषी आचार्य मिथिलेश नंदिनी शरण व स्वामी राजकुमार दास का नाम नियमित ट्रस्टी के लिए चल रहा है। वहीं, चंपत राय की जगह कृष्ण मोहन को पूर्णकालिक महासचिव बनाने पर संशय है। सीईओ को लेकर भी सस्पेंस बना हुआ है। बहुत ज्यादा नाम आने के कारण फिलहाल अंतिम तीन पर फैसला होने की संभावना नहीं है।

अगले 4 दिन तेज बारिश की चेतावनी

राजधानी में रिमझिम का दौर जारी 15 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में बीते दो दिनों से 35 से ज्यादा जिलों में पानी बरस रहा है। मौसम केंद्र भोपाल के अनुसार अगले 4 दिन तक तेज बारिश का दौर रहेगा। आज के लिए उज्जैन, धार, गुना समेत 15 जिलों में अति भारी या भारी बारिश का अलर्ट है। भोपाल में रात से ही रिमझिम बारिश का दौर चल रहा है जो अगले तीन दिन जारी रह सकता है। आज जिन जिलों में अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है, उनमें शिवपुरी, गुना, सागर और डिंडौरी शामिल हैं। 24 घंटे में यहां 4 से 8 इंच तक पानी गिर सकता है। श्योपुर, अशोकनगर, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, दमोह, नीमच, मंदसौर, उज्जैन, धार और बड़वानी में भारी बारिश की चेतावनी है।

रायसेन में हो रही तेज बारिश का दृश्य।

कलकत्ता हाई कोर्ट की टिप्पणी

'आधार कार्ड नागरिकता का नहीं, लेकिन किसी संपत्ति पर कब्जे का सबूत जरूर है'

कोलकाता, एजेंसी। कलकत्ता हाई कोर्ट ने कहा कि भले ही आधार निवास का पक्का सबूत न हो लेकिन यह किसी प्रॉपर्टी पर कब्जे का प्रथम दृष्टया सबूत जरूर है।

ये टिप्पणी करते हुए कोर्ट ने कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट को गार्डन रीच इलाके में कथित तौर पर जर्जर हो चुकी इमारतों को गिराने से रोक दिया। इससे पहले एक सिंगल-जज बेंच ने ट्रस्ट के उस फैसले में दखल

देने से इनकार कर दिया था जिसके तहत ट्रस्ट अपनी जमीन पर बनी 33 इमारतों को गिराना चाहता था।

क्या है मामला: पोर्ट अधिकारियों का तर्क था कि क्वार्टर में रहने वाले 52 लोगों में से सिर्फ 22 ने ही अपने आधार कार्ड दिखाए थे और सिंगल-जज बेंच का यह कहना सही था कि कब्जे का कोई सबूत नहीं दिया गया। लेकिन डिवीजन बेंच ने कहा, 'आधार नागरिकता या मूल निवास का सबूत नहीं है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि इसे किसी जगह पर कब्जे के सबूत के तौर पर पूरी तरह से अमान्य माना जाए।

मेट्रो एंकर रवि मुर्मू की संथाली भाषा की शॉर्ट फिल्म 'आंगेन' चुनी गई बेस्ट डेब्यू फिल्म ऑफ ए डायरेक्टर

नहीं मिला प्रोड्यूसर तो बनाई 12 मिनट की फिल्म, जीत लिया नेशनल अवॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी

झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले के संथाल समुदाय से आने वाले 33 साल रवि राज मुर्मू ने 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में इतिहास रच दिया। उनकी 12 मिनट की संथाली भाषा की शॉर्ट फिल्म 'आंगेन' को बेस्ट डेब्यू फिल्म ऑफ ए डायरेक्टर का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला। खास बात यह है कि फीचर फिल्म बनाने के लिए उन्हें करीब सात साल तक कोई प्रोड्यूसर नहीं मिला, जिसके बाद उन्होंने उसी कहानी को शॉर्ट फिल्म के रूप में बनाया। सीमित बजट में बनी यह फिल्म अब संथाली भाषा की पहली राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म बन गई है। रवि की यह सफलता आदिवासी सिनेमा और लोककथाओं को नई पहचान दिलाने वाली मानी जा रही है।

छोटे से आदिवासी गांव में बचपन बिताने वाला एक लड़का। उस समय मनोरंजन के साधन बेहद सीमित थे। शाम होते ही परिवार के बड़े-बुजुर्ग

बच्चों को संथाली लोककथाएं सुनाते थे। इन कहानियों में बोंगा (आदिवासी मान्यता के अनुसार आत्माएं), जंगल, नदियां और रहस्यमयी दुनिया का जिक्र होता था। यही कहानियां रवि के मन में बस गईं और आगे चलकर उनकी फिल्मों की सबसे बड़ी प्रेरणा बन गईं। स्कूल की पढ़ाई गांव में पूरी करने के बाद रवि ने जमशेदपुर से मास कम्युनिकेशन की पढ़ाई की। इसके बाद उन्होंने फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, पुणे से 2016 से 2019 के बीच फिल्म एडिटिंग में निपुणता हासिल की। मुंबई पहुंचकर बड़े OTT प्लेटफॉर्म्स के लिए काम किया लेकिन जब अपनी कहानी पर्दे पर उतारने की बारी आई तो प्रोड्यूसर नहीं मिला। फंडिंग न मिलने के बावजूद हार नहीं मानी। अपनी ही कहानी का छोटा रूप बनाया और अवार्ड जीत लिया।

रवि बताते हैं कि उन्हें महसूस हुआ कि अगर उन्हें ईमानदारी से फिल्में बनानी हैं तो उन्हें अपनी जड़ों की ओर लौटना होगा। इस फिल्म को फीचर फिल्म के रूप में बनाने के लिए करीब 25 से 30 करोड़ रुपये की जरूरत थी। कई निर्माताओं से बातचीत हुई, लेकिन कोई निवेश के लिए तैयार नहीं हुआ। आखिरकार उन्होंने फैसला किया कि पहले इसी कहानी का एक छोटा रूप बनाया जाए, ताकि लोगों को इसकी संभावनाएं दिखाई जा सकें।

पानी को बनाया केंद्रीय प्रतीक

'आंगेन' संथाली लोककथा पर आधारित है। फिल्म का मुख्य किरदार सुक्कू नाम का एक बांसुरी वादक है, जिसकी धुन से आत्माओं की दुनिया में रहने वाली एक देवी मोहित हो जाती है। पानी के जरिए वह दूसरी दुनिया में पहुंच जाता है, लेकिन कुछ समय बाद उसे एहसास होता है कि उसका असली घर उसका गांव है। रवि के मुताबिक, फिल्म सिर्फ एक पौराणिक कथा नहीं है, बल्कि यह आदिवासी समाज और प्रकृति के बदलते रिश्ते की कहानी भी है। तेजी से हो रहे शहरीकरण के कारण जंगल, जल स्रोत और वे स्थान लगातार खत्म हो रहे हैं, जिन्हें आदिवासी समुदाय अपनी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान का हिस्सा मानता है। रवि का कहना है कि विज्ञान भी मानता है कि जीवन की शुरुआत पानी से हुई थी, इसलिए उन्होंने इसे फिल्म का केंद्रीय प्रतीक बनाया।

पुराना सचिवालय के सभी शासकीय कार्यालय 10 अगस्त तक होंगे शिफ्ट

भोपाल। दोपहर मेट्रो

शहर के कोहेफिजा स्थित पुराना सचिवालय (ओल्ड सेक्रेटिएट) परिसर को नए प्रशासनिक कॉरिडोर के रूप में विकसित करने की दिशा में काम तेज हो गया है। संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा ने सोमवार को री-डेंसिफिकेशन परियोजना की समीक्षा बैठक में निर्देश दिए कि परिसर में संचालित सभी शासकीय कार्यालयों की शिफ्टिंग 10 अगस्त तक हर हाल में पूरी कराई जाए, ताकि निर्माण कार्य समय पर शुरू किया जा सके। बैठक में संयुक्त आयुक्त डॉ. विनोद यादव, डीआईजी देहात राजेश सिंह चंदेल, एडीएम पीसी शाक्य सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

विभागों को 10 अगस्त तक वैकल्पिक स्थानों पर स्थानांतरित किया जाए

संभागायुक्त ने कहा कि परिसर में संचालित कलेक्ट्रेट के अभिलेखागार, अधिवक्ता हाल, न्यायालय, पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) कार्यालय, साइबर सेल व अन्य विभागों को 10 अगस्त तक वैकल्पिक स्थानों पर स्थानांतरित किया जाए। उन्होंने तहसील हुजूर और तहसील बैरागढ़ शहर को भी नए भवनों में शीघ्र स्थानांतरित करने के लिए अधिकारियों से कहा है। अधिकारियों ने बताया कि महिला एवं बाल विकास, कृषि, श्रम तथा अनुसूचित जाति एवं जनजाति विभाग के कार्यालय पहले ही नए स्थानों पर शिफ्ट किए जा चुके हैं।

जी-7 मंजिला कंपोजिट भवनों का होगा निर्माण

री-डेंसिफिकेशन परियोजना के तहत अब कोहेफिजा स्थित पुराना सचिवालय परिसर में ही नया प्रशासनिक कारिडोर विकसित किया जाएगा। यहां कलेक्टर कार्यालय, संभागायुक्त कार्यालय और आइजी कार्यालय एक ही परिसर में संचालित होंगे। मध्यप्रदेश हाउसिंग बोर्ड ने इसके निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। नई परियोजना के तहत जी 7 मंजिला कंपोजिट ऑफिस भवन का निर्माण किया जाएगा। इसके साथ जी 2 मल्टीलेवल पार्किंग, 80 ईसीएस क्षमता की पार्किंग व्यवस्था, बिजली सब-स्टेशन, संप वेल तथा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट जैसी आधुनिक आधारभूत सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। इससे प्रशासनिक विभाग एक ही परिसर में संचालित होने से आम नागरिकों को विभिन्न कार्यालयों के बीच भटकना नहीं पड़ेगा और प्रशासनिक कार्यों में भी बेहतर समन्वय स्थापित होगा।

एक नजर में परियोजना

- परियोजना की लागत : 217.96 करोड़ रुपए अनुमानित।
- डेवलपर को मिलेगी : 3.36 हेक्टेयर कंपसेटरी लैंड पार्सल (सीएलपी)।
- भूमि उपयोग : मिश्रित (रेसीडेंशियल एवं कमर्शियल हाईराइज विकास)।
- भूमि का अनुमानित मूल्य : 256.92 करोड़ रुपए।
- नया परिसर : कलेक्ट्रेट, संभागायुक्त और आइजी कार्यालय एक ही कैंपस में।
- अन्य सुविधाएं : जी-2 मल्टीलेवल पार्किंग, बिजली सब-स्टेशन, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और आधुनिक आधारभूत संरचना।

पिछले 10 वर्षों में पहली बार बनी ऐसी स्थिति

मानसून में भी घटने लगा बड़ा तालाब का पानी, 10 दिनों में 494 करोड़ लीटर हुआ कम

भोपाल। दोपहर मेट्रो

मानसून के बीच राजधानी के बड़े तालाब का जलस्तर बढ़ने के बजाय लगातार घट रहा है। पिछले 10 दिनों में तालाब का स्तर 0.45 फीट कम होकर 1659.90 फीट से 1659.45 फीट पर पहुंच गया है। अनुमान है कि इस दौरान तालाब से करीब 494 करोड़ लीटर पानी कम हो गया। जुलाई में पिछले 10 वर्षों में पहली बार ऐसी स्थिति बनी है, जब मानसून के दौरान जलस्तर में लगातार गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि मौजूदा जल भंडारण शहर की पेयजल आपूर्ति के लिए पर्याप्त है और फिलहाल किसी संकट की आशंका नहीं है।

अगले 15 दिन रहेंगे अहम

विशेषज्ञों का कहना है कि बड़े तालाब का जलस्तर केवल शहर में हुई बारिश से नहीं बढ़ता, बल्कि पूरे कैचमेंट क्षेत्र में अच्छी वर्षा जरूरी होती है। यदि अगले 10 से 15 दिनों में कैचमेंट में अच्छी बारिश होती है तो तालाब का जलस्तर तेजी से बढ़ सकता है। फिलहाल जल भंडारण पर्याप्त होने से भोपाल की पेयजल आपूर्ति पर कोई तत्काल खतरा नहीं है।

पहली बार जुलाई में गिरा जलस्तर

2017 से 2025 तक के रिकॉर्ड बताते हैं कि जुलाई के पहले और दूसरे सप्ताह में बड़े तालाब का जलस्तर लगातार बढ़ता रहा। वर्ष 2020, 2021 और 2022 में तो जून के अंत तक ही तालाब लगभग भरने की स्थिति में पहुंच गया था। इसके विपरीत इस साल शुरुआती बढ़ोतरी के बाद जलस्तर लगातार घट रहा है, जिसे सामान्य मानसूनी ट्रेंड से अलग माना जा रहा है।

कम बारिश बनी बड़ी वजह

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार इस बार तालाब के कैचमेंट क्षेत्र में पर्याप्त बारिश नहीं होने से प्राकृतिक जल प्रवाह नहीं मिल पाया। दूसरी ओर तेज धूप के कारण वाष्पीकरण बढ़ा और शहर की नियमित पेयजल आपूर्ति के लिए लगातार पानी निकाला जाता रहा। इन सभी कारणों का संयुक्त असर जलस्तर में गिरावट के रूप में सामने आया है। बड़े तालाब का फुल टैंक लेवल 1666.80 फीट है, जबकि वर्तमान स्तर इससे 7.35 फीट नीचे है।

चार साल में ही 50 करोड़ रुपए के भोपाल स्मार्ट सिटी हाट बाजार में आने लगी दरारें

टीटी नगर स्टेडियम : निर्माण कार्य पर उठने लगे सवाल

भोपाल। दोपहर मेट्रो

टीटी नगर स्टेडियम के सामने स्थित भोपाल स्मार्ट सिटी हाट बाजार का निर्माण हुए चार वर्ष भी नहीं बीते हैं, और निर्माण कार्य की गुणवत्ता की कलई खुलने लगी है। लगभग 50 करोड़ रुपये की लागत से स्मार्ट सिटी के तहत 400 से अधिक दुकानों का तीन मंजिला हाट बाजार भवन बनाया गया था। अब भवन की दीवारों में बीम और कालम का साथ छोड़ने के कारण जगह-जगह बड़ी-बड़ी दरारें साफ दिखाई दे रही हैं। भवन की पुताई भी पपड़ी बनकर उखड़ने लगी है। लिफ्ट चालू नहीं होने और अधिकांश दुकानें बंद रहने के कारण शटरों व लिफ्ट के पास पीपल के पौधे उग आए हैं।

बन जाता है शराबियों का अड्डा

हाट बाजार परिसर शाम होते ही शराबियों का अड्डा बन जाता है। यहां जगह-जगह, कोनों और सीढ़ियों पर शराब की खाली बोतलें तथा खाने-पीने का सामान बिखरा दिखाई देता है। छत पर पार्टी करने के लिए अस्थायी चूल्हा भी बनाया गया है। सफाई व्यवस्था की स्थिति भी चिंताजनक है। तीन मंजिला हाट बाजार में 400 से अधिक दुकानें हैं, लेकिन सफाई के लिए केवलग एक ही कर्मचारी तैनात है। उसके जिम्मे पूरे परिसर की सफाई है। बाजार की दीवारों, कोने और दुकानों के शटर पान-गुटखे की पीक से भरे हुए हैं। कई लोग शौचालय जाने के बजाय भवन के अंदर खुले स्थानों, दीवारों और शटरों के पास ही पेशाब कर देते हैं। स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत जवाहर चौक से हटाए गए निगम के 140 आवंटी दुकानदारों के साथ नए दुकानदार भी इन दुकानों में आने को तैयार नहीं हैं। उनका कहना है कि दुकानें बहुत छोटी हैं, जिससे व्यापार करना मुश्किल है। मुख्य सड़क की ओर स्थित दुकानें तो ठीक हैं, लेकिन अंदर की दुकानों में शटर के बाहर सामान रखना भी कठिन है। व्यापारियों का कहना है कि दूसरी और तीसरी मंजिल की दुकानों का कल्चर नहीं है, ग्राहक ऊपर नहीं आता। हाट बाजार बनने तक निगम के 140 आवंटी दुकानदारों को सड़क किनारे व्यापार करने के लिए अस्थायी दुकानें दी गई थीं। लेकिन अब तक उनकी शिफ्टिंग नहीं होने से संकरी सड़क पर रोज जाम लग जाता है।

कोर्ट ने बहू को माना प्रताड़ना का दोषी बुजुर्ग सास को 20 हजार देने का आदेश

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी की अदालत ने घरेलू हिंसा के एक मामले में बुजुर्ग सास के पक्ष में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए बहू को मानसिक प्रताड़ना का दोषी माना है। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी शोभना भलावे की अदालत ने बहू को निर्देश दिया कि वह भविष्य में ससुराल पक्ष के किसी भी सदस्य के साथ किसी प्रकार का उत्पीड़न नहीं करेगी। साथ ही मानसिक पीड़ा पहुंचाने के एवज में बुजुर्ग सास को 20 हजार रुपए क्षतिपूर्ति के रूप में देने का आदेश दिया है। मामला तुलसी नगर निवासी 60 वर्षीय शारदा वर्मा की ओर से दायर याचिका से जुड़ा है।

अदालत ने मामले की सुनवाई के दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग की घरेलू घटना रिपोर्ट और महिला थाना भोपाल की जांच रिपोर्ट को महत्वपूर्ण आधार माना। जांच में बहू द्वारा सास के

साथ लगातार गाली-गलौज, अभद्र व्यवहार और मानसिक प्रताड़ना किए जाने की पुष्टि हुई थी। रिपोर्ट में सामने आए तथ्यों और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने बहू को मानसिक प्रताड़ना का दोषी माना। अदालत ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि ससुराल पक्ष के साथ किसी भी तरह की घरेलू हिंसा या उत्पीड़न स्वीकार्य नहीं है। साथ ही बहू को भविष्य में ऐसा व्यवहार दोहराने से बचने की हिदायत दी गई है। फैसले के बाद बुजुर्ग महिला को न्याय मिलने की उम्मीद जगी है।

रेल कोच फैक्ट्री की हिंदी प्रश्नोत्तरी स्पर्धा में कर्मचारियों ने दिखाया भाषा, रेलवे का ज्ञान

भोपाल। दोपहर मेट्रो

सवारी डिब्बा पुनर्निर्माण कारखाना, निशातपुरा में कारखाना स्तरीय 'अखिल रेल हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता-2026' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कारखाने के विभिन्न विभागों एवं शॉपों में कार्यरत रेल कर्मचारियों ने हिस्सा लिया और राजभाषा हिंदी, भाषा, साहित्य तथा रेलवे के व्यावहारिक ज्ञान एवं समसामयिक घटनाक्रम पर अपनी बौद्धिक क्षमता का प्रदर्शन किया।

संपर्क राजभाषा अधिकारी संदीप शर्मा ने बताया कि भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन एवं हिंदी प्रयोग-प्रसार को और व्यापक बनाने तथा अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बीच हिंदी में कार्य करने की अभिरुचि जागृत करने के उद्देश्य से प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कारखाने में इस प्रकार का यह पहला आयोजन है। प्रतियोगिता को रोचक बनाने के लिए राजभाषा अनुभाग की

टीम द्वारा तीन सेट में प्रश्न पत्र तैयार किया गया। प्रश्न पत्र के साथ अलग से एक ओएमआर शीट की तरह उत्तर पत्रक भी उपलब्ध कराया गया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रथम तीन विजेताओं को मुख्यालय में क्षेत्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा। अगले चरण में रेलवे बोर्ड स्तर पर अखिल भारतीय स्तर की हिंदी प्रश्नोत्तरी होगी। इस अवसर पर मुख्य कारखाना प्रबंधक कोहाडे ने अपने संदेश में कहा कि इस आंतरिक प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य राजभाषा हिंदी के प्रति एक स्वस्थ और ज्ञानवर्धक प्रतिस्पर्धा का वातावरण तैयार करना है। इस अवसर पर प्रशांत नरसिंहपुरकर सेवा निवृत्त कार्यप्रबंधक सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

डाक विभाग का तोहफा

30 रुपए में मिलेगा गंगोत्री-ऋषिकेश का पवित्र गंगाजल

भोपाल। दोपहर मेट्रो

सावन माह में भगवान शिव का जलाभिषेक करने वाले श्रद्धालुओं के लिए डाक विभाग ने बड़ी सुविधा शुरू की है। अब भोपाल के सभी प्रमुख डाकघरों पर गंगोत्री और ऋषिकेश से लाया गया सीलबंद शुद्ध गंगाजल केवल 30 रुपये में मिल सकेगा।

यह सुविधा पहले से चली आ रही है, लेकिन अब सावन से पहले श्रद्धालुओं को गंगाजल के लिए दूर जाने या महंगे दाम चुकाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। विभाग के अनुसार गंगाजल की शुद्धता सुनिश्चित की गई है और सभी डाकघरों में पर्याप्त स्टाक उपलब्ध है। इस पहल के जरिए लोगों को आसानी, भरोसे और उचित कीमत पर पवित्र गंगाजल उपलब्ध हो सकेगा।

सभी 43 प्रधान डाकघरों में तैयारी शुरू : दिशा रघुवंशी, इंस्पेक्टर आफ पोस्ट्स ने बताया कि सावन को देखते हुए प्रदेश के सभी 43 प्रधान डाकघरों में गंगाजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने की तैयारी शुरू कर दी गई है। उत्तराखंड के गंगोत्री क्षेत्र से अधिकृत रूप से गंगाजल मंगाया जाता है। विशेष कैंप और डाकघरों के बाहर अलग काउंटर लगाकर श्रद्धालुओं को ये सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

मेट्रो एंकर | **राज्य महिला आयोग की जनसुनवाई में नाबालिग बच्चों ने बताई घर की कहानी**

पापा का पड़ोस वाली आंटी से अफेयर, मां से करते हैं मारपीट

भोपाल। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश राज्य महिला आयोग की हुई जनसुनवाई में घरेलू विवाद का एक ऐसा मामला सामने आया, जिसमें दो नाबालिग बच्चों ने अपने पिता के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। बच्चों ने आरोप लगाया कि उनके पिता के पिछले चार साल से पड़ोस में रहने वाली एक शादीशुदा महिला से संबंध हैं। विरोध करने पर पिता उनकी मां के साथ मारपीट करते हैं। लगातार घरेलू विवाद से परेशान उनकी मां मानसिक रूप से परेशान हैं और उनका इलाज चल रहा है।

बच्चों ने आयोग को बताया कि इस मामले में पहले पुलिस में शिकायत की गई थी। उस समय पिता ने शपथ पत्र देकर

दोबारा ऐसा नहीं करने का भरोसा दिया था, लेकिन इसके बावजूद संबंधित महिला से उनका संपर्क जारी है। बच्चों ने यह भी आरोप लगाया कि पिता उनके साथ भी मारपीट करते हैं। आयोग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। जनसुनवाई में मंडीदीप की एक फैक्ट्री में हादसे के दौरान कर्मचारी की मौत के बाद उसकी पत्नी को मुआवजा नहीं मिलने का मामला भी सामने आया। कंपनी की ओर से कोई प्रतिनिधि सुनवाई में उपस्थित नहीं हुआ। इस पर आयोग ने अगली सुनवाई में कंपनी प्रतिनिधि की अनिवार्य उपस्थिति के निर्देश दिए। अध्यक्ष रेखा यादव ने कहा कि अगली तारीख पर भी प्रतिनिधि नहीं आया तो वारंट जारी करने की कार्रवाई की जाएगी।

वहीं, एक अन्य पारिवारिक विवाद में पति-पत्नी के बीच समझौता हो गया। दोनों ने आपसी सामंजस्य से साथ रहने पर सहमति जताई। अध्यक्ष रेखा यादव, सदस्य साधना स्थापक और सचिव सुरेश तोमर की मौजूदगी में कुल 18 मामलों की सुनवाई हुई।

बच्चों ने कहा...पुलिस शिकायत के बाद भी जारी रहा विवाद

जनसुनवाई में पहुंचे दोनों नाबालिग बच्चों ने आयोग को बताया कि उनके पिता के पड़ोस में रहने वाली एक शादीशुदा महिला से कथित तौर पर पिछले चार साल से संबंध हैं। बच्चों के मुताबिक, इस मामले को लेकर पहले पुलिस में भी शिकायत की गई थी। तब पिता ने शपथ पत्र देकर दोबारा ऐसा नहीं करने का भरोसा दिया था। इसके बावजूद संबंधित महिला से संपर्क जारी रहने का आरोप है। बच्चों ने कहा कि जब उनकी मां इस बात का विरोध करती हैं तो पिता उनके साथ मारपीट करते हैं। घरेलू विवाद के कारण मां मानसिक रूप से परेशान हैं और उनका इलाज चल रहा है। बच्चों ने यह भी आरोप लगाया कि पिता उनके साथ भी मारपीट करते हैं।

मुआवजे पर कंपनी को चेतावनी अगली सुनवाई में बुलाया

मंडीदीप स्थित एक फैक्ट्री के वेयरहाउस में गेहूं की बोरियों के नीचे दबने से कर्मचारी की मौत हो गई थी। हादसे के बाद मृतक की पत्नी ने महिला आयोग में शिकायत कर मुआवजा दिलाने की मांग की। मंगलवार को हुई सुनवाई में कंपनी की ओर से कोई प्रतिनिधि उपस्थित नहीं हुआ। इस पर आयोग ने नाराजगी जताते हुए कंपनी को अगली सुनवाई में हर हाल में उपस्थित होने के निर्देश दिए। महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा यादव ने कहा कि यदि अगली तारीख पर भी कंपनी का प्रतिनिधि सुनवाई में उपस्थित नहीं होता है तो उसके खिलाफ वारंट जारी करने की कार्रवाई की जाएगी। आयोग ने अन्य मामलों में भी दोनों पक्षों को सुनकर आवश्यक निर्देश दिए।

जो कहा वो किया
जो सोचा वो हुआ

क्या हिंदू क्या मुसलमान, क्या राम क्या रहीम,
क्या रविन्दर क्या रॉबर्ट सबके लिये समान कानून

मात्र **2 माह** में 27 अप्रैल 2026 को उच्च स्तरीय समिति
गठन के बाद, 21 जुलाई 2026 को विधानसभा में ऐतिहासिक मंजूरी

विधानसभा में पारित
समान नागरिक संहिता

27 अप्रैल 2026
उच्च स्तरीय समिति का गठन
7 सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति द्वारा देश के विभिन्न कानूनों और अन्य राज्यों के UCC मॉडलों का गहन तुलनात्मक अध्ययन

अभूतपूर्व जन-भागीदारी
सुझाव हेतु वेब पोर्टल लॉन्च
3.50 करोड़
संदेश नागरिकों को भेजे गए
10 लाख सुझाव मिले
मध्यप्रदेश के विधायी इतिहास में पहली बार
जिला और राज्य स्तर पर
50+ वृहद बैठकें
व्यावहारिक सुझाव संकलित
1,134+

ऐतिहासिक जनसमर्थन
93%
ने समान नागरिक संहिता का समर्थन किया
92%
पुरुष और महिलाएं समान कानून के पक्ष में

लैंगिक समानता और अधिकार
91%
ने भेदभावपूर्ण तलाक कानून हटाने का समर्थन किया
92%
ने बेटियों और माताओं को संपत्ति में समान अधिकार का समर्थन किया

सर्वसमुदाय का समर्थन
हिन्दू: 95% पुरुष
96% महिलाएं
मुस्लिम: 40% पुरुष
80% महिलाएं
ईसाई: 90% पुरुष
95% महिलाएं
सिख: 93% पुरुष
96% महिलाएं

21 जुलाई 2026
विधानसभा में पारित

प्रदेश की आधी आबादी, सभी बहनों को, दिया उनका हक़

D-11064/26

समुद्री डाकुओं का खतरा

मुंबई की एक अदालत ने 44 सोमालियाई डाकुओं को उम्रकैद की सजा सुनाई है। इनमें से 35 को मार्च 2024 में भारतीय नौसेना ने गिरफ्तार किया था। इन डाकुओं ने माल्टा के झंडे वाले 'एमवी रुएन' नामक जहाज पर दिसंबर 2023 में अरब सागर में कब्जा कर लिया था। करीब तीन महीने बाद भारतीय नौसेना ने 40 घंटे का एक बड़ा आपरेशन चलाया और सभी 17 क्रू सदस्यों को सुरक्षित बचाने के साथ ही सभी 35 समुद्री डाकुओं को पकड़ लिया। 'अल कंबर 786' नामक जहाज को हाइजैक करने के मामले में नौ डकैतों को भी उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। निश्चय ही यह भारत की बड़ी पहल का परिणाम है। भारत ने सोमालियाई समुद्री डकैतों के खिलाफ जब भी जरूरत पड़ी है, अभियान चलाया है। मगर असली सवाल यह है कि क्या इससे सोमालियाई डाकुओं के खौफ में कोई कमी आएगी? सामान्य तौर पर यह कहा जा सकता है कि उनके भीतर भारतीय नौसेना का खौफ हालांकि पहले से रहा है लेकिन अब वे और ज्यादा बचने की कोशिश करेंगे। मगर असली मसला यह है कि जब तक समुद्री डाकुओं के सरगनाओं को खत्म नहीं किया जाता तब तक समुद्र सुरक्षित नहीं रह सकता। अभी इसी साल 26 अप्रैल को मिस्र के व्यापारिक जहाज स्वार्ड को सोमाली तट से कुछ ही किलोमीटर दूर सशस्त्र डाकुओं ने अगवा कर लिया। इसके साथ ही दो तेल टैंकर ऑनर 25 और यूरेका का भी अपहरण हो गया। उन्होंने मछली मारने वाली ऐसी नौकाओं का भी हाल के दिनों में अपहरण किया है जिसमें सवार होकर वे कई दिनों तक समुद्र में रह सकते हैं। चिंता की बात यह है कि क्या समुद्री डकैत फिर से पहले की तरह ही ताकतवर हो रहे हैं। दुनिया को अभी भी याद है कि 2005 से 2012 के बीच डकैतों ने विदेशी जहाजों पर 1000 से अधिक हमले किए थे। दो सौ से ज्यादा जहाजों को अगवा किया था और अंदाजा है कि उन वर्षों में हर साल सोमालियाई डाकुओं के गैंग ने करीब 50 मिलियन अमेरिकी डॉलर की फिरौती वसूली। उसके बाद दुनिया सचेत हुई और डकैतों को जहाजों से दूर रखने के लिए कई सुरक्षात्मक व्यवस्था की गई. बहुत से डकैतों को पकड़ा गया लेकिन कभी भी सरगनाओं को नहीं पकड़ा जा सका और न ही उनके नेटवर्क को नष्ट किया गया। वहां राजनीतिक उथल-पुथल की स्थिति हमेशा ही बनी रहती है जिसका फायदा ये सरगना उठाते हैं. दूसरी सबसे बड़ी समस्या गरीबी है। वहां इतनी गरीबी है कि एक डाकू पकड़ा जाता है तो दूसरे ढेर सारे युवा उसकी जगह लेने को तैयार रहते हैं। समुद्री डकैतों के सरगनाओं को बहुत अच्छे भुगतान वाला नियोक्ता माना जाता है। वहां गरीबी बढ़ती ही जा रही है. दो साल पहले तक सोमालिया सरकार को अमेरिकी मानवीय सहायता कार्यक्रम के तहत हर साल 467 मिलियन अमेरिकी डॉलर मिल रहे थे मगर 2026 के पहले तीन महीनों में केवल 3 मिलियन अमेरिकी डॉलर ही मिले हैं। कहा जा रहा है कि समुद्री डकैतों का खौफ बढ़ने का बड़ा कारण यह भी है कि होर्मुज जलडमरूमध्य बंद होने और हूती विद्रोहियों के हमलों के कारण लाल सागर बहुत जोखिम वाला इलाका बन गया है और यूरोप की ओर जाने वाले कई व्यापारिक जहाज उस रास्ते से होकर गुजर रहे हैं जो सोमालिया के तट के करीब है। दुनिया को इससे निपटने के लिए एकजुट होने की जरूरत है।

समान नागरिक संहिता : संविधान के अधूरे संकल्प से सामाजिक समरसता की ओर

कृष्णमोहन झा
स्तंभकार

भारत का संविधान केवल शासन संचालन का दस्तावेज नहीं है, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का भी घोषणापत्र है। संविधान निर्माताओं ने एक ऐसे राष्ट्र की कल्पना की थी, जहाँ नागरिकों के अधिकार उनके धर्म, जाति या पंथ से नहीं, बल्कि उनकी नागरिकता से निर्धारित हों। इसी सोच का प्रतिबिंब संविधान के नीति-निर्देशक तत्वों में शामिल अनुच्छेद 44 में दिखाई देता है, जिसमें राज्य से अपेक्षा की गई है कि वह नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता लागू करने का प्रयास करेगा। स्वतंत्रता के लगभग आठ दशक बाद मध्यप्रदेश इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ा रहा है। राज्य मंत्रिमंडल द्वारा समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक को स्वीकृति दिए जाने और उसे विधानसभा में प्रस्तुत किए जाने के साथ यह विषय एक बार फिर राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में है।

समान नागरिक संहिता का विचार नया नहीं है। संविधान सभा में इस विषय पर व्यापक चर्चा हुई थी। डॉ. भीमराव आंबेडकर का मत था कि आधुनिक लोकतांत्रिक राष्ट्र में नागरिक अधिकारों का आधार समानता होना चाहिए। वहीं के.एम. मुंशी और अल्लादी कृष्णास्वामी अय्यर जैसे सदस्यों ने भी नागरिक जीवन से जुड़े मामलों में समान कानूनी व्यवस्था का समर्थन किया। हालांकि तत्कालीन सामाजिक परिस्थितियों और देश की विविधता को देखते हुए इसे मौलिक अधिकारों में शामिल करने के बजाय नीति-निर्देशक तत्वों में रखा गया, ताकि समय के साथ सामाजिक सहमति बनने पर इसे लागू किया जा सके। पिछले सात दशकों में यह विषय समय-समय पर न्यायपालिका, विधि आयोग, सामाजिक संगठनों और राजनीतिक दलों के बीच चर्चा का विषय रहा। शाह बानो प्रकरण, सरला मुद्गल जैसे मामलों में सर्वोच्च न्यायालय ने भी यह टिप्पणी की कि समान नागरिक संहिता पर गंभीर विचार होना चाहिए। इन टिप्पणियों का उद्देश्य किसी धर्म विशेष पर प्रश्न उठाना नहीं था, बल्कि संविधान में निहित समानता के सिद्धांत की ओर ध्यान आकर्षित करना था।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी स्वतंत्रता के बाद से समान नागरिक संहिता का निरंतर समर्थन किया है। संघ का मानना रहा है कि व्यक्तिगत कानूनों में समानता राष्ट्रीय एकात्मता और समान नागरिक अधिकारों को मजबूत करेगी। दूसरी ओर अनेक धार्मिक संगठनों, विधि विशेषज्ञों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने यह भी कहा कि किसी भी परिवर्तन को व्यापक संवाद, विश्वास और संवेदनशीलता के साथ लागू किया जाना चाहिए। लोकतंत्र की यही विशेषता है कि बड़े सुधार केवल कानून बनाकर नहीं, बल्कि संवाद के माध्यम से स्थायी रूप से स्थापित होते हैं। उत्तराखंड द्वारा समान नागरिक संहिता लागू करने के बाद अब मध्यप्रदेश इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार ने पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता में समिति गठित की, व्यापक जनसुझाव आमंत्रित किए और उसके आधार पर विधेयक का प्रारूप तैयार किया। सरकार का कहना है कि लाखों सुझाव प्राप्त हुए तथा व्यापक स्तर पर परामर्श के बाद यह मसौदा तैयार किया गया। प्रस्तावित प्रावधानों में बहुविवाह पर रोक, विवाह का अनिवार्य पंजीकरण, तलाक की विधिक प्रक्रिया, महिलाओं और पुरुषों के लिए समान उत्तराधिकार अधिकार तथा कुछ परिस्थितियों में लिव-इन संबंधों के पंजीकरण जैसी व्यवस्थाएँ शामिल हैं। अनुसूचित जनजातियों को फिलहाल इसके दायरे से बाहर रखा गया है। सरकार का तर्क है कि इसका उद्देश्य नागरिक अधिकारों में समानता स्थापित करना है, जबकि आलोचकों का मानना है कि इसके सामाजिक और सांस्कृतिक प्रभावों पर भी गंभीर चर्चा आवश्यक है। यहीं इस पूरे विमर्श का सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न सामने आता है क्या केवल कानून बना देने से समानता स्थापित हो जाएगी? इतिहास बताता है कि सामाजिक परिवर्तन केवल विधायी निर्णयों से नहीं आते। बाल विवाह निषेध कानून, दहेज निषेध कानून, शिक्षा का अधिकार या घरेलू हिंसा विरोधी कानून–इन सभी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, लेकिन इनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए समाज की मानसिकता में परिवर्तन भी आवश्यक था। समान नागरिक संहिता के साथ भी यही सत्य लागू होगा। यदि यह कानून महिलाओं को अधिक सुरक्षा देता है, विवाह और उत्तराधिकार में समान अधिकार सुनिश्चित करता है, कानूनी प्रक्रियाओं को सरल बनाता है और नागरिकों को समान न्याय दिलाने में सहायक होता है, तो निस्संदेह यह भारतीय लोकतंत्र के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी। लेकिन यदि इसके क्रियान्वयन में संवाद, संवेदनशीलता और विश्वास का अभाव रहा, तो अनावश्यक विवाद भी उत्पन्न हो सकते हैं। इसलिए इस कानून की सफलता उसकी धाराओं से अधिक उसके कार्यान्वयन और सामाजिक स्वीकार्यता पर निर्भर करेगी। मध्यप्रदेश की पहल का एक और महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि यह बहस केवल राज्य की सीमाओं तक सीमित नहीं रहेगी। अन्य राज्य भी इस अनुभव का अध्ययन करेंगे। यदि यह मॉडल न्यायपूर्ण, पारदर्शी और प्रभावी सिद्ध होता है, तो यह देशव्यापी विमर्श को नई दिशा दे सकता है। यदि इसमें व्यावहारिक कठिनाइयाँ सामने आती हैं, तो उनसे भी सीख लेकर आगे की नीति को बेहतर बनाया जा सकेगा। लोकतंत्र की यही शक्ति है कि वह प्रयोगों से सीखता है। भारतीय समाज की सबसे बड़ी विशेषता उसकी विविधता है। भाषा, संस्कृति, परंपरा और आस्था की इस विविधता को सुरक्षित रखते हुए समान नागरिक अधिकार सुनिश्चित करना आसान कार्य नहीं है। यही कारण है कि समान नागरिक संहिता पर चर्चा केवल राजनीतिक दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि संवैधानिक, सामाजिक और मानवीय दृष्टिकोण से भी होनी चाहिए। इस विषय पर मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन मतभेदों के बीच संवाद बना रहना लोकतंत्र की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

संविधान हमें केवल अधिकार नहीं देता, वह एक दिशा भी देता है। समान नागरिक संहिता उसी दिशा में बढ़ाया गया एक कदम है। अब यह समय बताएगा कि यह कदम भारतीय समाज को अधिक न्यायपूर्ण, अधिक समतामूलक और अधिक समरस बनाने में कितना सफल होता है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन से नई हरित क्रांति की शुरुआत

कांतिलाल मांडोत
स्तंभकार

भारत ने रेल परिवहन के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ते हुए अपनी पहली हाइड्रोजन ट्रेन का संचालन शुरू कर दिया है। हरियाणा के जींद से सोनीपत के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके साथ ही भारत हाइड्रोजन ईंधन से चलने वाली ट्रेन शुरू करने वाला दुनिया का पांचवां देश बन गया है। इससे पहले जर्मनी, फ्रांस, स्वीडन और चीन इस तकनीक का उपयोग कर चुके हैं। प्रधानमंत्री ने इसे दुनिया की सबसे ताकतवर हाइड्रोजन ट्रेन बताते हुए कहा कि इसे भारत के इंजीनियरों ने डिजाइन किया है और भारतीय कंपनी ने ही विकसित किया है। यह उपलब्धि केवल रेलवे की सफलता नहीं बल्कि आत्मनिर्भर भारत, हरित ऊर्जा और आधुनिक तकनीक की दिशा में देश की बड़ी छलांग है।

जींद से सोनीपत के बीच चलने वाली यह ट्रेन 89 किलोमीटर लंबे मार्ग पर 14 स्टेशनों के बीच संचालित होगी। दस कोच वाली इस ट्रेन में आठ यात्री कोच और दो पावर कार हैं। इसमें 682 यात्रियों के बैठने की व्यवस्था है जबकि कुल लगभग 2600 यात्री यात्रा कर सकते हैं। ट्रेन की अधिकतम परिचालन गति 75 किलोमीटर प्रति घंटा है जबकि इसका डिजाइन 110 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार के अनुसार तैयार किया गया है। यह पूरी दूरी लगभग दो घंटे में तय करेगी और यात्रियों के लिए किराया मात्र 5 से 25 रुपये रखा गया है ताकि आम लोग भी इस आधुनिक तकनीक का लाभ उठा सकें। इस ट्रेन की सबसे बड़ी विशेषता इसका हाइड्रोजन फ्यूल सेल आधारित इंजन है। ट्रेन में लगभग 440 किलोग्राम हाइड्रोजन संग्रहित की जा सकती है और एक बार ईंधन भरने के बाद यह करीब 356 किलोमीटर तक चल सकती है। अनुमान है कि प्रतिदिन दो फेरे लगाने में लगभग 300 किलोग्राम हाइड्रोजन की खपत होगी। रेलवे के अनुसार ट्रेन का संचालन पूरी तरह पर्यावरण अनुकूल है क्योंकि इंजन से धुएं की जगह केवल जलवाष्प यानी भाप और थोड़ा पानी निकलता है। इस कारण इसे शून्य उत्सर्जन वाली तकनीक माना जा रहा है।

हाइड्रोजन ट्रेन की शुरुआत के साथ हरियाणा देश में ग्रीन हाइड्रोजन तकनीक का महत्वपूर्ण केंद्र बन गया है। जींद रेलवे स्टेशन के पास देश का पहला हाइड्रोजन उत्पादन, स्टोरेज और रीफ्यूलिंग प्लांट तैयार किया गया है। यहां इलेक्ट्रोलिसिस तकनीक के माध्यम से पानी से प्रतिदिन लगभग 430 किलोग्राम ग्रीन हाइड्रोजन बनाई जाएगी। स्टेशन परिसर में लगभग 3000 किलोग्राम हाइड्रोजन सुरक्षित रखने की क्षमता विकसित की गई है। इस परियोजना पर लगभग 112 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। ट्रेन का डिजाइन और एकीकरण चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्ट्री में किया गया जबकि हाइड्रोजन प्रोपल्शन सिस्टम विकसित करने में मेधा सर्वो ड्राइव्स तथा ग्रीनएच इलेक्ट्रोलिसिस जैसी भारतीय कंपनियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अवसर पर कहा कि फिलहाल यह ट्रेन लगभग 90 किलोमीटर के मार्ग पर चलेगी लेकिन भविष्य में इसका विस्तार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार लागत कम करने और तकनीक को अधिक सक्षम बनाने के लिए लगातार अनुसंधान करेगी। उनके अनुसार यह दुनिया की सबसे शक्तिशाली हाइड्रोजन ट्रेनों में से एक है जिसकी क्षमता लगभग 3200 हॉर्सपावर है और यह परिचालन दूरी के लिहाज से भी दुनिया की सबसे लंबी हाइड्रोजन ट्रेन सेवाओं में शामिल है। प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया कि इस परियोजना से जींद और आसपास के क्षेत्रों में उद्योग, निवेश और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में ऊर्जा सुरक्षा का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यदि होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग में युद्ध जैसी स्थिति बनती है तो भारत पर उसका प्रभाव पड़ता है क्योंकि पेट्रोल, डीजल और उर्वरकों की आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पहले रेलवे का बड़ा हिस्सा डीजल इंजनों पर निर्भर था, लेकिन पिछले बारह वर्षों में लगभग 99 प्रतिशत रेल नेटवर्क का विद्युतीकरण कर दिया गया है। इससे डीजल पर निर्भरता काफी कम हुई है और अब हाइड्रोजन जैसी नई तकनीक ऊर्जा सुरक्षा को और मजबूत बनाएगी। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने हरियाणा को 14 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं की सौगात भी दी। इनमें कुरुक्षेत्र एलिवेटेड रेलवे ट्रैक, भिवानी का पंडित नेकी राम शर्मा राजकीय मेडिकल कॉलेज, नारनौल का महर्षि च्यवन मेडिकल कॉलेज एवं राव तुलाराम अस्पताल, दिल्ली अमृतसर कटरा राष्ट्रीय राजमार्ग का हरियाणा खंड, अंबाला काला अंब राष्ट्रीय राजमार्ग, जींद गोहाना राष्ट्रीय राजमार्ग, कुरुक्षेत्र में सिख संग्रहालय का शिलान्यास तथा हांसी बरवाला राष्ट्रीय राजमार्ग जैसी परियोजनाएं शामिल हैं। उन्होंने जींद में चलाए गए स्वच्छता अभियान की भी सराहना की और लोगों से इसे जन आंदोलन बनाए रखने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस अवसर को हरियाणा के लिए ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन का संचालन राज्य के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक परियोजना नहीं बल्कि विकसित भारत के संकल्प का प्रतीक है।

सरकार की हाइड्रोजन फॉर हेरिटेज योजना के अंतर्गत भविष्य में देश के ऐतिहासिक और पहाड़ी मार्गों पर 35 हाइड्रोजन ट्रेनें चलाने की योजना है। जहां विद्युतीकरण कठिन या महंगा है वहां यह तकनीक विशेष रूप से उपयोगी साबित हो सकती है। वर्ष 2015 में देश की पहली सीएनजी ट्रेन भी हरियाणा में रेवाड़ी और रोहतक के बीच शुरू हुई थी और अब पहली हाइड्रोजन ट्रेन भी इसी राज्य से शुरू होना हरियाणा की तकनीकी प्रगति का नया प्रतीक बन गया है।

भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन केवल एक नई रेल सेवा नहीं बल्कि हरित ऊर्जा, स्वदेशी तकनीक, ऊर्जा सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। यदि आने वाले वर्षों में इस तकनीक का विस्तार सफलतापूर्वक होता है तो भारतीय रेलवे दुनिया के सबसे स्वच्छ और आधुनिक रेल नेटवर्क में शामिल हो सकता है। यह पहल विकसित भारत के उस भविष्य की झलक है जहां प्रौद्योगिकी, पर्यावरण और विकास एक साथ आगे बढ़ेंगे।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

महिलाओं में पुरुषों से दस गुना ज्यादा पाया जा रहा है हाशिमोटो थायरॉइडिटिस

थायरॉयड से जुड़ी समस्याएं महिलाओं में काफी आम हैं, लेकिन उनमें भी हाशिमोटो थायरॉइडिटिस सबसे अधिक पाई जाने वाली बीमारी है। इसमें शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली गलती से थायरॉइड ग्रंथि को ही नुकसान पहुंचाने लगती है। समय के साथ यह ग्रंथि पर्याप्त मात्रा में थायरॉइड हार्मोन नहीं बना पाती, जिससे हाइपोथायरॉइडिज्म विकसित हो सकता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार हाशिमोटो थायरॉइडिटिस महिलाओं में पुरुषों की तुलना में लगभग 7-10 गुना अधिक देखी जाती है। इसके पीछे हार्मोनल बदलाव, आनुवंशिक प्रवृत्ति और इम्यून सिस्टम की कार्यप्रणाली महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

महिलाओं के शरीर में एस्ट्रोजन सहित कई हार्मोन इम्यून सिस्टम को प्रभावित करते हैं। एनआईएच के अनुसार महिलाओं का इम्यून सिस्टम संक्रमण से लड़ने में अधिक सक्रिय होता है, लेकिन यही सक्रियता ऑटोइम्यून बीमारियों का जोखिम भी बढ़ा सकती है। यही कारण है कि हाशिमोटो थायरॉइडिटिस, रूमेटाइड अर्थराइटिस और लूपस जैसी ऑटोइम्यून रोग महिलाओं में अधिक देखी जाती हैं। गर्भावस्था, प्रसव के बाद का समय और मेनोपॉज के दौरान हार्मोनल बदलाव इस जोखिम को और बढ़ा सकते हैं। मैयोक्लीनिक के अनुसार हाशिमोटो थायरॉइडिटिस किसी एक कारण से नहीं होती, बल्कि कई कारकों के संयुक्त प्रभाव से विकसित होती है। इनमें आनुवंशिक प्रवृत्ति, परिवार में थायरॉइड या ऑटोइम्यून बीमारी का इतिहास होना, महिलाओं में हार्मोनल परिवर्तन, अत्यधिक आयोडीन का सेवन (कुछ मामलों में), वायरल संक्रमण, सेलेनियम या विटामिन डी की कमी और पर्यावरणीय कारक शामिल हैं।

अमेरिकन थायरॉइड एसोसिएशन के अनुसार इस बीमारी की शुरुआत अक्सर धीरे-धीरे होती है। शुरुआती लक्षण हर महिला या मरीज में अलग-अलग हो सकते है। लेकिन, कुछ सामान्य लक्षणों को आगे बताया गया है। हर समय थकान महसूस होना, बिना कारण वजन बढ़ना, ठंड अधिक लगना, बाल झड़ना त्वचा का रूखा होना, कब्ज ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई आदि होते हैं।

जॉन हॉपकिन्स के अनुसार हाशिमोटो थायरॉइडिटिस का उपचार रोगी के लक्षणों, उम्र और सामान्य स्वास्थ्य पर निर्भर करता है। यह इस बात पर भी निर्भर करेगा कि रोगी की मौजूदा स्थिति कितनी गंभीर है। यदि रोगी के थायरॉइड हार्मोन का स्तर सामान्य है, तो उपचार की आवश्यकता नहीं होगी।

निशाना

इस धरती पर क्या..!

नीतिराज चौरे 'नीति '

सोचो इस धरती पर, क्या सभी गलत है
गलत सही की परिभाषा,सभी की अलग है,
सही वो है जो कम गलत है,
कम गलत की भी अलग नीयत है,
सही किसी की नजरों में सरासर गलत है,
और गलत किसी-किसी के,रग-रग
में बसत है, सही कहां बेखौफ अब,
फूलत और फलत हैं!
सोचो इस धरती पर, क्या सभी गलत है?
कुदरत को देखो और सोचो, कि हर घटना,
जो कहीं घटत है होती सबको क्यों हैरत है,
कुदरत का कानून सभी को, एक भाव से
निस्वार्थ बटत है, मानव दृष्टिकोण से सोचो
कि इस धरती परक्या सभी गलत हैं?

यूजर्स गाइड

UPI पेमेंट का नया तरीका, फोन से बिना इंटरनेट 2000 रुपये तक कर पाएंगे भुगतान

आज के डिजिटल दौर में फोन पर हमारी निर्भरता इस कदर बढ़ गई है कि अगर फोन का इंटरनेट बंद हो जाए, तो कई काम ठप हो जाते हैं। इन्हीं में से एक पेमेंट भी है। इस बात तो ध्यान में रखते हुए NPCI एक नई तकनीक पर काम कर रहा है, जिसमें आप बिना इंटरनेट भी दुकानदार की PoS यानी कि स्वाइप मशीन पर पेमेंट कर पाएंगे। NFC तकनीक पर आधारित इस फीचर से एयरप्लेन, अंडरग्राउंड मेट्रो या बिना नेटवर्क वाले दूर-दराज के इलाकों में भी पेमेंट आसानी से हो सकेगी। इसके लिए इंटरनेट की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसके लिए आपको UPI Lite वॉलेट में कुछ पैसे लोड रखने होंगे।

बिना इंटरनेट के इस यूपीआई फीचर का इस्तेमाल करने के लिए यूजर को पहले इंटरनेट से कनेक्ट रहते हुए अपने UPI Lite वॉलेट में पैसे लोड करने होंगे।

इसके बाद आप जब भी किसी ऑफलाइन स्वाइप मशीन पर जाएंगे, तो आपको सिर्फ अपना NFC सपोर्ट करने वाला फोन मशीन से टच करना होगा। इसके लिए आपको UPI पिन दर्ज करने या इंटरनेट की जरूरत नहीं रहेगी। इसके बाद स्वाइप मशीन आपके वॉलेट से पेमेंट ऑथराइजेशन को स्टोर कर लेगी और जैसे ही फोन या मशीन को दोबारा इंटरनटे मिलेगा, वह पेमेंट की जानकारी बैंक को भेजकर पेमेंट पूरा कर देगी।

2000 रुपये की रहेगी सीमा: NPCI साल 2026 से ही PoS टर्मिनल बनाने वाली प्रमुख कंपनियों की मशीनों को ऑफलाइन UPI के लिए सर्टिफाई करना शुरू कर सकता है। इस नए सिस्टम के तहत ज्यादा से ज्यादा 2000 रुपये तक की पेमेंट की जा सकेगी। यह सीमा सुरक्षा के लिहाज से सेट की गई है। गौर करने वाली बात है कि फिलहाल ऑफलाइन पेमेंट 500 रुपये से ज्यादा की नहीं की जा सकती। फिलहाल बैंकों और पेटीएम, गूगल पे जैसे थर्ड-पार्टी UPI ऐप्स के साथ मिलकर इस फीचर को अपने मोबाइल ऐप्स में जोड़ने के लिए तेजी से काम किया जा रहा है। इसकी मदद से हवाई जहाज में सफर के दौरान या अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशनों जैसी जगहों पर भी खरीदारी की जा सकेगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक कुछ क्रेडिट/डेबिट कार्ड कंपनियों ने उड़ानों के दौरान कार्ड के इस्तेमाल पर कुछ प्रतिबंध लगा रखे हैं, ऐसे में यह छोटा ऑफलाइन UPI पेमेंट एक बेहतरीन ऑप्शन बन सकता है।

इसके अलावा इस फीचर को इस्तेमाल करने के लिए फोन में NFC फीचर का होना जरूरी होगा। इसके बिना स्वाइप मशीन पर फोन को टच करने से पेमेंट नहीं होगी।

अजब - गजब

खबर ऐसी भी ... फ्रांस के एक टापू पर है गधों को पाजामा पहनाने की परंपरा

दुनियाभर में जानवरों की अनोखी आदतों और इंसानों द्वारा उनके लिए बनाए गए अनूठे रिवाजों की कोई कमी नहीं है। क्या कोई सोच सकता है कि किसी जगह पर गधे बाकायदा इंसान जैसी पैंट या पजामा पहनकर घूमते हों? फ्रांस के पश्चिमी तट पर ला रोशेल के पास स्थित इल-दे-रे नाम का एक बेहद खूबसूरत आइलैंड मौजूद है। यह टापू अपने रेतीले समुद्र तटों, शांत माहौल और ठंडी हवाओं के लिए पर्यटकों के बीच बेहद मशहूर है। लेकिन इस टापू की सबसे अनोखी पहचान यहां रहने वाले गधे हैं, जो किसी आम जानवर की तरह नहीं, बल्कि रंग-बिरंगी और चेकदार पैंट पहनकर सड़कों व पार्कों में घूमते हुए दिखाई देते हैं। इन गधों को एन्स एन कुलोट यानी पैंट पहने हुए गधे कहा जाता है।

ये कोई आम गधे नहीं हैं, बल्कि यह गधों की सबसे बड़ी और दुर्लभ प्रजातियों में से एक पॉइटौ नस्ल के हैं। फ्रांस के पॉइटौ क्षेत्र से ताल्लुक रखने वाले इन गधों की सबसे बड़ी खासियत इनका भारी-भरकम शरीर और उस पर लटकते हुए लंबे, उलझे और घने बाल होते हैं, जिन्हें कादानेत कहा जाता है। अपनी ताकत और लंबे कद-काठी के कारण प्राचीन समय में इन गधों का इस्तेमाल इल-दे-रे टापू के नमक के मैदानों और खेतों में बोझा ढोने और काम करने के लिए किया जाता था। जब ये गधे नमक के दलदली मैदानों और खेतों में काम करते थे, तो दलदल में पनपने वाले जहरीले मच्छर और कीड़े-मकोड़े इनकी टांगों पर काटकर इन्हें बहुत परेशान करते थे। कीड़ों के काटने से गधों के पैरों में गंभीर इन्फेक्शन हो जाता था।

इस समस्या का अनोखा हल निकालते हुए इनके मालिकों ने पुराने पर्दे वाले कपड़ों या गद्दों के कवर वाले धारीदार कपड़ों से गधों की चारों टांगों के लिए पजामा सिलना शुरू कर दिया। काम पर जाने से पहले रोज सुबह गधों को यह पैंट पहना दी जाती थी, जिससे कीड़े उनके पैरों तक न पहुंच सकें। आजकल मशीनीकरण के कारण नमक के मैदानों में इन गधों से काम लेना बंद कर दिया गया है, लेकिन, इसके बावजूद यह परंपरा आज भी पूरी तरह से जिंदा है और काम कर रही है।

न्यूज विंडो

नवनियुक्त एल्डरमैनों का परिषद ने किया स्वागत

सिरोंज। नगर पालिका परिषद सिरोंज में राज्य शासन से घोषित नवनियुक्त एल्डरमैनों का स्वागत किया गया। नपाध्यक्ष मनमोहन साहू के नेतृत्व में नपा कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं नपा सीएमओ राम प्रकाश साहू ने पुष्पमाला पहनाकर सभी एल्डरमैनों का स्वागत किया। इसके पूर्व नपाध्यक्ष मनमोहन साहू ने सभी नवनियुक्त एल्डरमैनों का शाल श्रीफल से स्वागत कर मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं प्रदान की। इस अवसर पर मौजूद पार्षदों ने विधायक उमाकांत शर्मा के नेतृत्व एवं अनुशंसा से मनोनीत किए गए एल्डरमैनों से सिरोंज नगर के विकास में बढ़चढ़कर सहभागिता करने की बात कही। वहीं एल्डरमैनों ने भी नगर के प्रत्येक वार्ड को विकास एवं सरकार की योजनाओं का लाभ आम नागरिकों तक पहुंचाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता जाहिर करते हुए भारतीय जनता पार्टी संगठन एवं विधायक उमाकांत शर्मा का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान विपक्षी दलों के पार्षद गैरमौजूद रहे। इस अवसर पर प्रमुख रूप से नपा उपाध्यक्ष मनोज शर्मा,पार्षद हरिचरण अहिरवार, इमरान कुरैशी,सचिन शर्मा, तोशमनी पंथी,बलजीत यादव, फ़ईम खान,राजू कुशवाह, जयनारायण सेन सहित नपा कर्मचारी मौजूद रहे।

नीट परीक्षा उत्तीर्ण करने पर अंश शर्मा का तहसील में किया स्वागत

सिरोंज। तहसील सभा कक्ष में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान पगरानी निवासी अंश शर्मा पिता ऋषि शर्मा के नीट की परीक्षा उत्तीर्ण करने पर उनका शॉल-श्रीफल से स्वागत किया गया। अंश की इस उपलब्धि पर क्षेत्र में खुशी का माहौल है। कार्यक्रम में अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार, सीईओ एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। अधिकारियों ने अंश शर्मा को बधाई देते हुए कहा कि कड़ी मेहनत और लगन से उन्होंने यह मुकाम हासिल किया है। उन्होंने अंश के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि आगे भी वह इसी तरह मेहनत कर क्षेत्र और जिले का नाम रोशन करें। अंश शर्मा ने इस सम्मान के लिए विधायक, कलेक्टर एवं समस्त प्रशासनिक अधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

योग, ध्यान एवं स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

औबेदुल्लागंज। गुरु पूर्णिमा पखवाड़े के अंतर्गत शासकीय सांदीपनि विद्यालय औबेदुल्लागंज में योगाभ्यास, ध्यान एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्राचार्य श्रीमती चंद्रावती अतुलकर के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को योग के महत्व से अवगत कराया गया। खेल शिक्षक केडी मेश्राम ने विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास कराते हुए नियमित योग, संतुलित आहार और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए प्रतिदिन योग करने तथा स्वास्थ्य के प्रति समाज को जागरूक करने का संकल्प लिया।

सांसद ने बीकानेर-बिलासपुर एक्सप्रेस के नर्मदापुरम स्टॉपेज की उठाई मांग

नर्मदापुरम। राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने संसद भवन परिसर में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर नर्मदापुरम अंचल में रेल सुविधाओं के विस्तार, यात्री सुविधाओं और रेलवे विकास से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में सांसद ने क्षेत्रवासियों और पूज्य सिंधी पंचायत, नर्मदापुरम की लंबे समय से चली आ रही मांग को प्रमुखता से रखते हुए ट्रेन संख्या 20845/20846 बीकानेर-बिलासपुर एक्सप्रेस का नर्मदापुरम रेलवे स्टेशन पर नियमित ठहराव स्वीकृत करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इस ट्रेन के स्टॉपेज से नर्मदापुरम सहित आसपास के हजारों यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा और लंबी दूरी की यात्रा अधिक सुविधाजनक हो सकेगी। सांसद ने रेल मंत्री का ध्यान मध्य भारत के सबसे बड़े रेलवे जंक्शन इटारसी में अवैध वेंडरिंग और इससे जुड़ी असामाजिक एवं आपराधिक गतिविधियों की ओर भी आकर्षित किया। उन्होंने यात्रियों की सुरक्षा और रेलवे परिसर में बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी कार्रवाई के निर्देश देने का आग्रह किया।

विद्यार्थियों ने प्रतियोगिताओं के माध्यम से दिया नशे के खिलाफ संदेश

नर्मदापुरम। पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार चलाए जा रहे नशे से दूरी है जरूरी 2.0 विशेष अभियान के तहत मंगलवार को शासकीय उच्चतर माध्यमिक कन्या शाला, नर्मदापुरम में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं ने चित्रकला, निबंध, पेंटिंग, स्लोगन, रंगोली एवं पोस्टर प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लेकर नशे के विरुद्ध प्रभावी संदेश दिए। कार्यक्रम में रक्षित निरीक्षक स्नेहा चंदेल ने छात्राओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों के लिए घातक है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर स्वस्थ और सकारात्मक जीवन अपनाने का आह्वान किया। उप निरीक्षक प्रहलाद सिंह प्रजापति तथा विद्यालय की प्रचार्या अर्चना मिश्रा ने भी छात्राओं को संबोधित करते हुए नशे के सामाजिक, मानसिक और शारीरिक दुष्परिणामों पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा जागरूक नागरिक बनने की अपील की।

बड़ी वारदात की साजिश नाकाम, तस्करी नेटवर्क और सप्लायरों का पता लगाने में जुटी पुलिस

धार से रीवा पहुंची अवैध हथियारों की बड़ी खेप बरामद आठ पिस्टल और कारतूस के साथ 2 तस्कर गिरफ्तार

रीवा/धार। दोपहर मेट्रो

रीवा जिले के चोरहटा थाना क्षेत्र में पुलिस ने घेराबंदी कर दो कुख्यात तस्करों को गिरफ्तार किया, जिनके पास से 8 अवैध पिस्टल और कई जिंदा कारतूस जब्त किए गए हैं। पुलिस की शुरुआती पूछताछ में यह खुलासा हुआ है कि तस्कर यह हथियार के धार जिले से खरीदकर रीवा लाए थे।

पुलिस सूत्रों के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रोशन गुप्ता और मंजर अंसारी के रूप में हुई है। दोनों आरोपियों का पहले से भी आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने स्वीकार किया कि हथियारों का यह जखीरा वे धार जिले के अवैध हथियार निर्माताओं और सप्लायरों से लेकर आए थे। इस खुलासे के बाद अब पुलिस जांच का रुख धार जिले की ओर भी मुड़ गया है। पुलिस यह पता लगाने में जुट गई है कि धार में वे कौन-कौन से सप्लायर हैं, जो इतने बड़े पैमाने पर पिस्टल उपलब्ध करा रहे थे। चोरहटा पुलिस को मुखबिर से सटीक सूचना मिली थी कि धार से अवैध हथियारों की खेप लेकर दो लोग रीवा में दाखिल हुए हैं। पुलिस टीम ने तुरंत घेराबंदी कर दोनों संदिग्धों को दबोच लिया। आशंका जताई जा रही है कि इन हथियारों की डिलीवरी किसी स्थानीय आपराधिक गिरोह को दी जानी थी या फिर किसी बड़ी आपराधिक वारदात को अंजाम देने की योजना

बनाई जा रही थी। मुखबिर की सटीक सूचना पर कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। उनके कब्जे से 8 अवैध पिस्टल और कारतूस मिले हैं। आरोपियों ने हथियार धार से लाना स्वीकार किया है। इस पूरे तस्करी नेटवर्क और धार के सप्लायरों का पता लगाने के लिए जांच जारी है। मामले में शामिल अन्य आरोपियों को भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। रीवा पुलिस अब धार पुलिस के संपर्क में है ताकि हथियारों के सप्लायर तक पहुंचा जा सके और पूरे सिंडिकेट का पर्दाफाश किया जा सके।

स्कूल-कॉलेज के पास तम्बाकू बेचने वालों पर चालानी कार्रवाई

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

शैक्षणिक संस्थानों के आसपास तम्बाकू उत्पादों की बिक्री रोकने के लिए नगर पालिका, तहसील और पुलिस थाना सिरोंज द्वारा संयुक्त चालानी कार्रवाई की गई। नगर पालिका की स्वास्थ्य शाखा और राजस्व शाखा की टीम ने स्कूल-कॉलेज पॉलिटेक्निक कॉलेज संस्कार ग्रीन वैली स्कूल, शासकीय सांदीपनी स्कूल के आसपास जांच कर तम्बाकू, गुटखा और सिगरेट बेचने वाले दुकानदारों पर कार्रवाई करते हुए 2000 रुपए का चालान किया। इस कार्रवाई में मुख्य नगर पालिका अधिकारी राम प्रकाश साहू, स्वास्थ्य अधिकारी मनीष कुमार और क्षेत्र के जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि बच्चों और युवाओं को नशे से बचाना ही इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है। नियम तोड़ने वाले दुकानदारों को सख्त चेतावनी दी गई है। भविष्य में दोबारा उल्लंघन पाए जाने पर और कड़ी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने अपील की है कि कोई भी दुकानदार शैक्षणिक संस्थान के आसपास तम्बाकू उत्पाद न बेचे।

---

30 अगस्त तक पूरे करें सभी स्वीकृत विकास कार्य: नपाध्यक्ष

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

नगर पालिका परिषद में विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिए बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता नगर पालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव ने की। इस दौरान मुख्य नगरपालिका अधिकारी वैभव देशमुख, विधायक प्रतिनिधि महेंद्र यादव, उपयंत्री, निर्माण एजेंसियों के संचालक तथा पार्षद प्रतिनिधि रोहित गौर मौजूद रहे। बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव और सीएमओ वैभव देशमुख ने निर्माण एजेंसियों के संचालकों के साथ वार्डवार विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। जिन कार्यों में किसी प्रकार का गतिरोध सामने आया, वहां संबंधित पार्षद, इंजीनियर और निर्माण एजेंसी के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर निर्धारित समय सीमा में कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। नपाध्यक्ष ने निर्माण एजेंसियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि नगर पालिका के सभी स्वीकृत निर्माण कार्य हर हाल में 30 अगस्त तक पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कार्यों में अनावश्यक देरी पर नाराजगी जताते हुए गुणवत्ता और समयबद्धता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश भी दिए। बैठक के दौरान निर्माण एजेंसियों ने कार्यों में आ रही विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया, जिनका मौके पर ही समाधान किया गया। अधिकारियों ने कहा कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की बाधा नहीं आने दी जाएगी।

रिमझिम बारिश में जिलेभर में बिखेरी गईं दो लाख से अधिक सीड बॉल, नवांकुर अभियान को मिली रफ्तार

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

जिले को हरित और पर्यावरण अनुकूल बनाने के उद्देश्य से रिमझिम बारिश के बीच नवांकुर अभियान के तहत जिलेभर में वृहद स्तर पर सीड बॉल का प्रसार किया गया। संभाग आयुक्त श्रीकांत बनोठ और कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने ग्राम हासलपुर में बच्चों, ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों के साथ सीड बॉल बिखेरकर अभियान की शुरुआत की।

जिले की सभी जनपद पंचायतों, तहसीलों और नगरीय निकायों में एक साथ आयोजित इस अभियान में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, विद्यार्थियों, स्वयंसेवी संस्थाओं और आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। संभाग आयुक्त श्रीकांत बनोठ ने कहा कि प्राकृतिक वनीकरण को बढ़ावा देने के लिए जिला प्रशासन की यह पहल प्रभावी साबित होगी। उन्होंने बताया कि सीड बॉल तकनीक से बीजों के अंकुरित होने की संभावना अधिक रहती है और अन्य जिले भी इस नवाचार से प्रेरणा ले सकते हैं।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने कहा कि प्राकृतिक वनों के संरक्षण और विस्तार के लिए जनसहभागिता सबसे महत्वपूर्ण है। सीड बॉल तकनीक ऐसे दुर्गम क्षेत्रों में भी वृक्षारोपण का प्रभावी माध्यम बन सकती है, जहां पारंपरिक तरीके से पौधरोपण संभव नहीं होता। उन्होंने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) से शुरू हुए नवांकुर अभियान के तहत जिले में अब तक दो लाख से अधिक सीड बॉल तैयार की जा चुकी हैं। इनमें स्थानीय और देशी प्रजातियों के बीजों को चिकनी मिट्टी तथा गोबर खाद या कम्पोस्ट के मिश्रण से तैयार किया गया है, जिनका उपयोग जिले में वन क्षेत्र और हरित आवरण बढ़ाने के लिए किया जा रहा है। कलेक्टर ने बच्चों से पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान करते हुए कहा कि आज बिखेरी गई सीड बॉल आने वाले समय में हजारों नए वृक्षों का रूप लेकर जिले को हरियाली से आच्छादित करेंगी। उन्होंने नागरिकों से इस अभियान को जनआंदोलन बनाने और अधिक से अधिक लोगों को इससे जोड़ने की अपील की।

विभिन्न मांगों को लेकर मंडीदीप में कांग्रेस ने देर रात किया प्रदर्शन

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

दिल्ली में राहुल गांधी के समर्थन और छात्रों की विभिन्न मांगों को लेकर रायसेन जिले के मंडीदीप में कांग्रेस ने देर रात जोरदार प्रदर्शन किया। कांग्रेस कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दीपेश मीना के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने देर रात 10 बजे रात्रिकालीन सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। इस दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी करते हुए युवाओं और छात्रों की समस्याओं की अनदेखी का आरोप केंद्र सरकार पर लगाया। मंडीदीप में कांग्रेस नेताओं का कहना है कि प्रदेश का युवा बेरोजगारी, शिक्षा व्यवस्था की खामियों और अन्य मूलभूत समस्याओं से जूझ रहा है, लेकिन सरकार उनकी मांगों पर ध्यान देने के बजाय मौन बनी हुई है। इसी के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने छात्रों के हित में प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशन मे मंडीदीप मे जोरदार प्रदर्शन किया गया मौके पर बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। कांग्रेस नेता दीपेश मीना ने सख्त चेतावनी दी है की यदि छात्रों और युवाओं की मांगों का जल्द निराकरण नहीं किया गया तो आंदोलन को और उग्र तथा व्यापक बनाया जाएगा।

सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों पर पुलिस का शिकंजा, चालानी कार्रवाई की

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

नगर में शांति, सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से देहात थाना पुलिस ने गत दिवस रात्रि में विशेष अभियान चलाया। थाना प्रभारी जय कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने थाना क्षेत्र के विभिन्न सार्वजनिक एवं संवेदनशील स्थानों पर आकस्मिक निरीक्षण किया।

अभियान के दौरान खुले स्थानों पर बैठकर शराब का सेवन कर रहे लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई। पुलिस ने ऐसे लोगों को सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने से होने वाली असुविधाओं और कानून व्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में समझाइश दी। साथ ही नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध मौके पर ही चालानी कार्रवाई कर समन शुल्क भी वसूला गया। थाना प्रभारी जय कुमार सिंह ने स्पष्ट कहा कि सार्वजनिक स्थल आम नागरिकों की सुविधा के लिए हैं, इन्हें नशाखोरी का अड्डा नहीं

बनने दिया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि भविष्य में भी यदि कोई व्यक्ति खुले में शराब पीकर माहौल खराब करता पाया गया, तो उसके विरुद्ध नियमानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। देहात पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में असामाजिक तत्वों में हड़कंप की स्थिति रही, वहीं स्थानीय नागरिकों ने कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस की इस पहल की सराहना की।

मेट्रो एंकर श्री नौलखी मंदिर में आयोजित श्रीजगन्नाथ महात्म्य कथा में श्री महंत राम मनोहर दास बोले-

जगन्नाथपुरी पहुंचने से पहले मन को पुरुषोत्तम बनाइए, तभी सफल होगी तीर्थयात्रा

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

भगवान श्रीजगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव के उपलक्ष्य में स्टेशन रोड स्थित श्री नौलखी मंदिर में आयोजित श्रीजगन्नाथ महात्म्य कथा के पंचम दिवस कथा व्यास श्री महंत राम मनोहर दास महाराज ने कहा कि कलियुग में यदि कोई साक्षात मोक्षदायिनी भूमि है तो वह भगवान श्रीजगन्नाथ की पुरी है। वहां पहुंचकर केवल शरीर ही नहीं, बल्कि मन, बुद्धि और आत्मा का भी शुद्धिकरण होता है। उन्होंने कहा कि तीर्थयात्रा तभी सार्थक होती है, जब मनुष्य पहले अपने मन को पुरुषोत्तम बनाए। केवल तीर्थ पहुंच जाना पर्याप्त नहीं, बल्कि तीर्थ का भाव अपने भीतर उतारना ही वास्तविक साधना है। महंत श्री ने कहा कि भगवान श्रीजगन्नाथ के कारण ही इस पावन धाम को पुरुषोत्तम क्षेत्र कहा गया है। स्कंद पुराण सहित अनेक शास्त्रों में इसकी महिमा का विस्तार से वर्णन करते हुए इसे समस्त तीर्थों का मुकुटमणि बताया गया है। श्रद्धा और समर्पण के साथ यहां पहुंचने वाला प्रत्येक भक्त भगवान की विशेष कृपा का पात्र बनता है। उन्होंने

तीर्थयात्रा की शास्त्रीय मर्यादाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज लोग तीर्थ जाने से पहले होटल, भोजन और भ्रमण की योजना बनाते हैं, जबकि शास्त्रों के अनुसार तीर्थ पहुंचते ही सबसे पहले पवित्र स्नान, संकल्प, जप, हवन, दान और उसके बाद देवदर्शन करना चाहिए। तीर्थ का उद्देश्य मनोरंजन नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि और आत्मपरिष्कार है। उन्होंने रामायण का उल्लेख करते हुए कहा कि स्वयं मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम ने भी पहले पवित्र स्नान कर स्वयं को शुद्ध किया और उसके बाद ही ऋषियों एवं देवस्थलों के दर्शन किए। यही संदेश आज भी प्रत्येक श्रद्धालु के लिए प्रासंगिक है।

कथाव्यास ने कहा कि भगवान श्रीजगन्नाथ की पुरी केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण, समानता और सनातन संस्कृत का जीवंत प्रतीक है। यहां आने वाला प्रत्येक भक्त अपने अहंकार, पाप और विकारों का त्याग कर नए जीवन की शुरुआत करने का संकल्प लेता है। महंत श्री ने सत्संग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मनुष्य का पतन कुसंगति से और उत्थान सत्संग से होता है। जैसे विष की एक बूंद पूरे पात्र को दूषित कर देती है, उसी प्रकार कुसंग जीवन को नष्ट कर देता है, जबकि संतों का संग मनुष्य को भक्ति, सेवा और सदाचार के मार्ग पर अग्रसर करता है। उन्होंने धर्मभूमि कुरुक्षेत्र के एक ब्राह्मण और क्षत्रिय मित्र का प्रसंग सुनाते हुए बताया कि एक वैष्णव संत के सत्संग से उनके जीवन की दिशा ही बदल गई। महापुरुषों की वाणी केवल शब्द नहीं होती, बल्कि आत्मा को जागृत करने वाली दिव्य शक्ति होती है। संत का एक उपदेश वर्षों के अज्ञान और पाप का अंत कर सकता है। उन्होंने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि तीर्थयात्रा केवल कदमों से नहीं, बल्कि श्रद्धा, समर्पण और पवित्र भाव से करें।

तेंदूखेड़ा का मामला: नगर परिषद के 3 वार्डों की 2 हजार आबादी खुले में अंतिम संस्कार को मजबूर, वार्ड 14 की जमीन पर अतिक्रमण

चौरई में मुक्तिधाम नहीं, बारिश में छाते लगाकर जलाते हैं शव

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर परिषद अंतर्गत आने वाले ग्राम चौरई के रहवासियों के लिए मुक्तिधाम न होना अब मुश्किल साबित हो रहा है। नगर परिषद के 15 वार्डों में से 12 वार्ड नगर में हैं, जहां वार्ड क्रमांक 5 और 9 में मुक्तिधाम बने हुए हैं। लेकिन चौरई के 3 वार्डों की लगभग 2 हजार की आबादी के लिए आज तक कोई शांतिधाम नहीं बन सका। इसी वजह से लोगों को खुले मैदान में अंतिम संस्कार करने को मजबूर होना पड़ रहा है। गत दिवस तेज बारिश के बीच घटी एक घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया। चौरई निवासी अति गरीब रामेश्वर बेन उम्र 45 वर्ष की जबलपुर में सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। शव गांव लाकर अंतिम संस्कार के लिए ले जाया गया तो उस समय मूसलाधार बारिश हो रही थी। मुक्तिधाम न होने के कारण परिजनों ने खुले मैदान में ही चिता सजाई। बारिश के कारण बार-बार चिता की आग बुझ रही थी। ऐसे में 6 से 7 परिजनों ने लगभग 4 से 5 घंटे तक बरसाती छातों के सहारे आग को बचाए रखा। करीब 10 से 12 लोग अंतिम संस्कार में मौजूद थे। तब कहीं जाकर लगभग 10 घंटे में शव पूरी तरह जल सका। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही लोगों की रूह कांप गई। वार्ड वासियों ने कई बार की मांग, नहीं हुई सुनवाई चौरई निवासी नवल सेन ने बताया कि मृतक रामेश्वर बेन बेहद गरीब था। चौरई के तीनों वार्डों में मुक्तिधाम न होने की समस्या कई सालों से है। इस संबंध में ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन को कई बार ज्ञापन सौंपे और मंत्री को भी अवगत कराया, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। बरसात में 5 घंटे तक छातों के सहारे बैन परिवार को शव जलाना पड़ा। यह प्रशासन की घोर लापरवाही है। ग्रामीणों का कहना है कि वार्ड क्रमांक 14 में शांतिधाम के लिए जमीन आरक्षित है, लेकिन उस जगह पर अतिक्रमण है।

निकाला जा चुका है टेंडर

इस मामले में नगर परिषद की उपयंत्री भूपेंद्र सिंह ने बताया कि वार्ड 14 में मुक्तिधाम के लिए आरक्षित भूमि का सीमांकन नवंबर 2025 में नगर परिषद और पटवारी की मौजूदगी में हो चुका है। मुक्तिधाम निर्माण के लिए जुलाई माह में टेंडर भी निकाला जा चुका है। जिसमें बाउंड्रीवॉल, गेट ,चबूतरा, टीनसेट ,फेंसिंग एस्टीमेट में शामिल है जो अतिक्रमण है उसे हटाया जाएगा और फिर निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। एसडीएम सीजी गोस्वामी ने बताया कि मीडिया के माध्यम से मुझे इस घटना की जानकारी मिली। यह बेहद दुखद और शर्मनाक है। मैंने तुरंत सीएमओ से बात की। उन्होंने बताया कि मुक्तिधाम के लिए निविदा प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। 15 से 20 दिनों के भीतर शांतिधाम का निर्माण शुरू हो जाएगा। एसडीएम ने कहा कि जगह की कोई कमी नहीं है। भूमि पहले से आरक्षित है, केवल कुछ लोगों ने उस पर अतिक्रमण कर रखा है। अतिक्रमण हटाने के लिए आरआई और पटवारी की टीम गठित कर दी गई है। टीम जल्द ही जाकर अतिक्रमित भूमि को मुक्त कराएगी।

न्यूज विंडो

तेंदूखेड़ा में देर से हुई बुवाई के बाद खेतों में लहलहाई हरियाली

तेंदूखेड़ा। इस वर्ष मानसून के विलंब से आगमन के कारण क्षेत्र के किसानों को बुवाई भी देर से करनी पड़ी। प्रारंभिक दिनों में वर्षा की अनिश्चितता से किसान चिंतित थे, लेकिन समय पर पर्याप्त बारिश होने से फसलों ने अब अच्छी बढ़वार पकड़ ली है। खेतों में चारों ओर हरियाली छा गई है, जिससे किसानों के चेहरे खिल उठे हैं। क्षेत्र में , धान, मक्का एवं अन्य खरीफ फसलें तेजी से विकसित हो रही हैं। खेतों की मनमोहक हरियाली ग्रामीण अंचल की सुंदरता को और बढ़ा रही है। किसानों का कहना है कि यदि आगामी दिनों में मौसम अनुकूल रहा और वर्षा का क्रम इसी प्रकार बना रहा, तो इस वर्ष अच्छी पैदावार की उम्मीद है। वर्तमान में तेंदूखेड़ा क्षेत्र की संपूर्ण धरा हरियाली की चादर से ढकी हुई दिखाई दे रही है। खेतों में लहलहाती फसलें किसानों के परिश्रम और प्रकृति की मेहरबानी का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत कर रही हैं। इससे क्षेत्र में बेहतर कृषि उत्पादन और समृद्धि की नई उम्मीदें जागृत हुई हैं।

अज्ञात कारणों के चलते युवक ने लगाई फांसी, पुलिस पड़ताल में जुटी

तेंदूखेड़ा। ग्राम पतलोनी में युवक का शव उसके ही घर में फांसी के फंदे पर लटकता हुआ मिलने से हड़कंप मच गया है। घटना की सूचना परिजनों एवं रिश्तेदारों द्वारा तेजगढ़ पुलिस को दी गई, जहां सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से उतारकर पंचनामा कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम हेतु तेन्दूखेड़ा लाया गया है। घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार 20 वर्षीय अमित पिता तख़त सिंह लोधी निवासी पतलोनी थाना तेजगढ़ जिसने अज्ञात कारणों के चलते अपने ही घर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। घटना को लेकर परिजनों द्वारा बताया गया है अमित रात करीब साढ़े 9 बजे खाना खाकर सो गया था जब सुबह 7 बजे अमित सो कर नहीं उठा तो अमित की मां ने आवाज लगाई जब कमरे के अंदर से कोई भी आवाज नहीं आई तो हड़कंप मच गया, जिसके बाद परिजनों ने घर के ऊपर चढ़कर खपरो को हटाकर देखा तो अमित साड़ी के फंदे से घर के अंदर लटका हुआ था। अमित ने अपने कमरे के दरवाजे का लॉक कर रखा था जिसके कारण परिजनों को खपरा हटाकर अंदर जाने का प्रयास किया था, लेकिन घटना के बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दी, जहां मौके पर पहुंची पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर आगे की कार्रवाई की जा

डिंडोरी बरछा गांव में तालाब में नहाने के दौरान दो महिलाएं डूबीं, मौत

डिंडोरी। जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के बरछा गांव में तालाब में नहाने के दौरान दो महिलाएं डूबने लगीं। मौके पर मौजूद युवक ने एक महिला को बचा लिया, जबकि दूसरी की डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

देवास की घटना: आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

धारदार हथियार से गला रेतकर की पिता की हत्या

देवास। दोपहर मेट्रो

जिले के कन्नौद थाना क्षेत्र से एक सनसनीखेज खबर सामने आई है। यहां एक व्यक्ति ने अपने बुजुर्ग पिता की गला रेतकर हत्या कर दी। घर में विवाद होने की सूचना पर जब भतीजा और उसकी पत्नी घर पहुंचे तो आरोपी चाचा को दादा की हत्या करते देखा। भतीजा और बहू के घर पहुंचते ही आरोपी मौके से फरार हो गया था, जिसे पुलिस ने कुछ ही देर में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

कन्नौद थाना क्षेत्र के ग्राम चपलासा में मंगलवार को पारिवारिक विवाद ने खूनी रूप ले लिया। संपत्ति विवाद के बीच बेटे द्वारा अपने ही पिता की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या करने का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार डायल-112 पर ग्राम चपलासा में विवाद की सूचना मिलने पर तत्काल पुलिस टीम मौके पर पहुंची। फरियादी आशीष गोस्वामी ने बताया कि उसके दादा माधवपुरी गोस्वामी ने करीब 8 वर्ष पहले अपनी संपत्ति तीनों पुत्रों में बराबर बांट दी थी। उसके पिता और छोटे चाचा का निधन हो चुका है, जबकि बीच वाले चाचा जगदीशपुरी गोस्वामी के साथ दादा रहते थे। जब आशीष और उसकी पत्नी अंदर पहुंचे तो माधवपुरी गोस्वामी खाट पर लहूलुहान पड़े थे। उनके गले पर गंभीर चोट थी और अत्यधिक रक्तस्राव हो चुका था। जांच करने पर उनकी मृत्यु हो चुकी थी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

भतीजे-बहू को देखकर भागा आरोपी

आरोप है कि जगदीशपुरी गोस्वामी शराब पीने का आदी है और कोई काम-धंधा नहीं करता। आशीष ने बताया कि जगदीशपुरी के पुत्र पवनपुरी ने उसे सूचना दी कि उसके पिता और दादाजी के बीच झगड़ा हो रहा है। सूचना मिलते ही वह अपनी पत्नी अर्चना के साथ मौके पर पहुंचा, जहां उसने देखा कि जगदीशपुरी गोस्वामी अपने पिता माधवपुरी गोस्वामी पर चाकू-उस्तरे से हमला कर रहा था। दोनों को देखकर आरोपी हथियार लेकर मौके से फरार हो गया।

घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद पुलिस ने आरोपी जगदीशपुरी गोस्वामी को हिरासत में ले लिया है।

दो महीने बाद प्रकरणदर्ज करोड़ों की निवेश ठगी में अब एक्शन, बनाई जांच टीम

शहडोल। दोपहर मेट्रो

शहडोल में करोड़ों रुपये की कथित निवेश ठगी के मामले में आखिरकार बुढ़ार पुलिस ने दो महीने बाद एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक संजय कुमार अग्रवाल ने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और निष्पक्ष विवेचना के लिए विशेष टीम गठित की है। यह मामला जीएनएस फाइनेंशियल सर्विस प्राइवेट लिमिटेड से जुड़ा है, जिस पर निवेशकों को अधिक मुनाफे का लालच देकर करोड़ों रुपये की ठगी करने का आरोप है।

पुलिस के अनुसार गोपालपुर करकटी निवासी मगनयन सिंह ने 19 मई को बुढ़ार थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के आधार पर प्रारंभिक जांच की गई, जिसमें सामने आया कि कंपनी के संचालकों ने निवेशकों को आकर्षक रिटर्न का भरोसा दिलाकर रकम जमा कराई। आरोप है कि बाद में ग्राहकों की अनुमति के बिना उनके डीमैट खातों में ट्रेडिंग कर आर्थिक नुकसान पहुंचाया गया। जांच के बाद बुढ़ार थाने में कंपनी से जुड़े आरोपियों सुखनंदन यादव, मुकेश यादव, सरोज यादव, विजय पाल और मोहम्मद अनीम के खिलाफ विभिन्न धाराओं में अपराध दर्ज किया गया। पुलिस अब दस्तावेजों, वित्तीय लेन-देन और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की जांच कर रही है। पुलिस अधीक्षक ने लंबित अपराधों की समीक्षा बैठक में इस प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी, साक्ष्य संकलन और तकनीकी विश्लेषण में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए विशेष जांच टीम का गठन किया गया है, ताकि मामले की निष्पक्ष और प्रभावी विवेचना सुनिश्चित की जा सके। बताया जा रहा है कि इस पूरे मामले में संभागायुक्त के निर्देश के बाद जांच प्रक्रिया तेज हुई। वहीं, कई पीड़ितों का आरोप है कि कंपनी के जिम्मेदार लोग लंबे समय से फरार हैं और कार्यालय भी बंद पड़ा है। ऐसे में निवेशकों को अपनी जमा पूंजी वापस मिलने की उम्मीद पुलिस की कार्रवाई पर टिकी हुई है।

तांत्रिक और मकान मालिक को दबोचा

बीमारी ठीक करने के नाम पर कमरे में बंद कर किया था महिला से दुष्कर्म

धार, कुक्षी। दोपहर मेट्रो

बीमारी का इलाज करने का झांसा देकर महिला के साथ दुष्कर्म करने वाले ढोंगी तांत्रिक और उसके सहयोगी मकान मालिक को निसरपुर पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है, घटना में शामिल दो अन्य फरार आरोपियों की पुलिस तलाश कर रही है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 19 जुलाई को अवल्दामान निवासी पीड़िता ने थाना कुक्षी पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। पीड़िता ने बताया कि मनावर बस स्टैंड पर उसका समधी रेवसिंह और अन्य व्यक्ति राकेश मिले, जो उसे मोटरसाइकिल से ग्राम कड़माल बसाहट स्थित धन्नालाल भारूड़ के घर ले गए। वहां धन्नालाल के मकान की तीसरी मंजिल के कमरे में पीड़िता को छोड़कर तीनों चले गए। इसके

बाद वहां मौजूद तांत्रिक कैलाश नगेंश ने तांत्रिक क्रिया से बवासीर का इलाज खत्म करने का झांसा दिया और महिला के साथ जबरन दुष्कर्म किया। आरोपी तांत्रिक ने पीड़िता को धमकी दी कि यदि उसने इस बात की जानकारी किसी को दी, तो वह तांत्रिक क्रिया से उसे और उसके पति को मार डालेगा। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरु की थी।

महिला संबंधी और तांत्रिक क्रिया से जुड़े इस मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डावर एवं एसडीओपी कुक्षी सुनील गुप्ता के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कुक्षी दीपक सिंह चौहान एवं निसरपुर चौकी प्रभारी उनि रवि वास्के के नेतृत्व में एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया।

पुलिस टीम ने मुखबिर तंत्र और तकनीकी साक्ष्यों की मदद से पड़ताल शुरू की। इसी दौरान सूचना मिली कि मुख्य आरोपी तांत्रिक और उसका साथी कहीं भागने की फिराक में कुक्षी बस स्टैंड पर खड़े हैं। निसरपुर पुलिस टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। बस स्टैंड पर एक आरोपी सिर पर सफेद रुमाल बांधकर मुंह छिपाए खड़ा था। पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की, तो उन्होंने अपना अपराध स्वीकार कर लिया।

पुलिस ने मौके से तांत्रिक कैलाश पिता जुवारसिंह नगेंश निवासी ग्राम खंडलई थाना मनावर, धन्नालाल पिता लालचंद मरोला निवासी ग्राम कड़माल बसाहट को गिरफ्तार कर लिया है, रेवसिंह और राकेश की तलाश की जा रही है।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के जनरल वार्ड में छत का प्लास्टर गिरा

सिवनी। दोपहर मेट्रो

जिले के कान्हीवाड़ा स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के जनरल वार्ड में सुबह छत का प्लास्टर अचानक भरभराकर गिर गया। घटना के समय वार्ड में मरीज और उनके परिजन मौजूद थे। हालांकि, मलबा किसी पर नहीं गिरा, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

मंडला में निर्माणाधीन रेलवे ओवरब्रिज पर करंट लगने से हुई मजदूर की मौत

मंडला। दोपहर मेट्रो

मंडला जिले के बम्हनी-मंडला मार्ग पर लिमरुआ रेलवे फाटक के पास निर्माणाधीन रेलवे ओवरब्रिज पर करंट लगने से मजदूर की मौत हो गई। उमरिया जिले के 24 वर्षीय मजदूर रामप्रकाश बैगा की करंट से मौत के बाद निर्माण स्थल पर श्रमिकों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं।

मेट्रो एंकर काया इंटरनेशनल योग स्टूडियो नरसिंहपुर में मैंगो फेस्टिवल का हुआ आयोजन

साधिकाओं ने आम के स्वादिष्ट व्यंजनों का लिया आनंद

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

काया इंटरनेशनल योग स्टूडियो, नरसिंहपुर की संस्थापिका व इंटरनेशनल योग मास्टर सुश्री इंदु सिंह द्वारा 22 जुलाई राष्ट्रीय आम दिवस के अवसर पर फलों के राजा आम को समर्पित एक भव्य और उत्साहपूर्ण मैंगो फेस्टिवल (आम महोत्सव) का सफल आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर योग परिवार की सभी साधिकाओं ने बड़े ही हर्षोल्लास और उमंग के साथ भाग लिया और एक-दूसरे के साथ मिलकर इस दिन को यादगार बनाया।

मैंगो फेस्टिवल को खास और स्वादिष्ट बनाने के लिए सभी योग साधिकाएं अपने-अपने घरों से आम से तैयार किए गए तरह-तरह के अनोखे और लजीज पकवान एवं मिष्ठान्न बनाकर लाई थीं। इस दौरान पारंपरिक स्वाद से लेकर आधुनिक रेसिपीज़ का बेहतरीन संगम देखने को मिला। व्यंजनों में

मुख्य रूप से आम का पुलाव, आम का हलवा, आम का केक, आम की पुडिंग, आम का पापड़, आम की जलेबी, ठंडा व स्वादिष्ट मैंगो शेक, कच्चे आम की लौंजी व चटपटा अचार, आम की कैंडीज, मैंगो चॉकलेट्स, फ्रूटी और तरोताजा करने वाला आम का जूस शामिल था। कार्यक्रम के दौरान सभी उपस्थित साधिकाओं ने एक साथ मिलकर मैंगो पार्टी मनाई और आम से बने इन स्वादिष्ट व्यंजनों का भरपूर आनंद उठाया। इस आयोजन ने न केवल योग साधिकाओं के बीच आपसी प्रेम, सौहार्द और एकजुटता को बढ़ावा दिया, बल्कि स्वास्थ्यवर्धक वातावरण में खुशियों के पल साझा करने का एक बेहतरीन अवसर भी प्रदान किया। इस सफल आयोजन और मैंगो पार्टी में योग साधिकाएं उषा प्रजापति, शोभना गुप्ता, अनुराधा कोठारी, उर्मिला राय, मनीषा ताम्रकार, मालती विश्वकर्मा, पूर्णिमा शुक्ला, ममता अवधिया, श्रीमती आरती ताम्रकार, संध्या कोठारी, श्रीमती नीता भारद्वाज, रचना त्रिवेदी, रानू श्रीवास्तव, पूनम मंदाना, पूजा नेमा, प्रीति प्रजापति, सीमा नामदेव, पुष्पा पटेल, मीना शर्मा, आस्था लखेरा, नैंसी पटेल एवं आरती सिंह सहित अन्य सदस्याओं की सक्रिय और सराहनीय उपस्थिति रही। अंत में सभी ने इस अनूठे व स्वादिष्ट आयोजन की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

कार्यालय थाना प्रभारी थाना शाहजहांनाबाद नगरीय पुलिस जिला भोपाल

क्रमांक/थाप्र./शाह. बाद./डी - 57/26 दिनांक 17.07.26

जाहिर सूचना

सूचित किया जाता है कि थाना शाहजहांनाबाद भोपाल के गुम इंसान क्रमांक 57/26 की गुमशुदा वंदना शाक्य पति अजय शाक्य उम्र 20 साल निवासी बसै वार्ड नं.03 तहसील बैरसिया भोपाल एंव उसका बेटा कृष्णा शाक्य उम्र 01 साल की तलाश हेतू जाहिर सूचना का समाचार पत्रो मे प्रकाशन किया जाना है। जिसका हुलिया - रंग - गोरा चेहरा - गोल बाल- काले कद करीबन 04 फिट 07 इंच बदन सामान्य पहनावा - जामुनी रंग की साडी व लाल रंग का ब्लाउस व पैरो मे क्रीम कलर की सैंडल पहने हैं। अन्य पहचान व किसी प्रकार का गुदना चिन्ह, तिल नही है। जिसका फोटो उपरोक्तानुसार है । यदि गुमशुदा के संबंध में किसी को कोई जानकारी हो तो थाना शाहजहांनाबान से आकर संपर्क करें अथवा थाना शाहजहांनाबाद मो.न. 9479990579 को पर तत्काल संपर्क करें।

थाना प्रभारी थाना शाहजहांनाबाद
नगरीय पुलिस जिला भोपाल (मप्र)

G-15971/26

विश्वकप फाइनल में हार पर स्टार फुटबॉलर लियोनल मेसी ने तोड़ी चुप्पी-बोले-

घाव गहरा है, इस दर्द को ठीक होने में समय लगेगा

ब्यूनस आयर्स , एजेंसी

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के खिताबी मुकाबले में स्पेन से 1-0 से अर्जेंटीना की हार को लेकर लियोनल मेसी ने दर्द बयां किया है। उन्होंने कहा कि वर्ल्ड कप फाइनल में मिली हार से उबरने में अर्जेंटीना की टीम को सिर्फ वक्त ही मदद करेगा। इस टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले लियोनल मेसी खिताब जीतने की उम्मीद कर रहे थे, लेकिन फेर्रान टोरेस के एक्स्ट्रा-टाइम गोल ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

फेर्रान टोरेस के गोल ने स्पेन की जीत में अहम भूमिका निभाई, जिससे अर्जेंटीना खिताबी मुकाबले में हार गई। 39 वर्षीय मेसी के 2030 में होने वाले अगले वर्ल्ड कप में खेलने की उम्मीद नहीं है, हालांकि उन्होंने अभी तक संन्यास लेने की कोई योजना घोषित नहीं की है।

मेसी ने सोशल मीडिया पर लिखा, %दर्द बहुत गहरा है और इस घाव को भरने में समय लगेगा। लेकिन मैं उन सभी अच्छी यादों को भी संजोकर रखूंगा। वे मैच जिन्हें हमने अपनी पूरी ताकत लगाकर पलटा, वे पल जो हमेशा हमारी यादों में रहेंगे और पूरे देश का समर्थन, जिसने इस ग्रुप की कड़ी मेहनत और कोशिशों के साथ मिलकर हमें एक बार फिर दुनिया की बेहतरीन टीमों में शामिल किया।

गोल्डन बॉल अवार्ड न जीत पाना रहा दुर्भाग्यपूर्ण

अर्जेंटीना ने ग्रुप स्टेज आसानी से पार किया और फिर फाइनल में पहुंचने के लिए अपने अगले चार नॉकआउट मैचों में देर से किए गए गोलों के दम पर जीत हासिल की। मेसी ने टूर्नामेंट का समापन आठ गोल और चार असिस्ट के साथ किया और कुछ लोगों का मानना था कि टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का गोल्डन बॉल अवॉर्ड न जीत पाना उनके लिए दुर्भाग्यपूर्ण रहा। बार्सिलोना और पेरिस सेंट-जर्मेन के पूर्व स्टार खिलाड़ी ने अपने साथियों की तारीफ की और टीम के प्रदर्शन पर गर्व जताया। उन्होंने कहा, अभी हमारी उपलब्धि की पूरी तरह से सराहना करना मुश्किल है, लेकिन यह ग्रुप लगातार दो वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंचा। हर शुभकामना और संदेश के लिए दिल से धन्यवाद। एक बार फिर, हम एक देश के तौर पर एकजुट हुए और साथ खड़े रहे, अर्जेंटीना होने का गर्व महसूस किया। मैं चैंपियनशिप जीतने पर स्पेन को भी बधाई देना चाहता हूं।

बीसीसीआई के नए नियमों ने बदला घरेलू क्रिकेट का खेल

एक गलती और पूरे मैच से हो जाएंगे बाहर गेंदबाज-विकेटकीपर पर सबसे बड़ा असर

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने 2026-27 घरेलू क्रिकेट सीजन से पहले प्लेइंग कंडीशंस में कई अहम बदलाव लागू किए हैं। मेरिलबोन क्रिकेट क्लब द्वारा क्रिकेट के नियमों में किए गए संशोधनों के अनुरूप बीसीसीआई ने भी अपने घरेलू टूर्नामेंट्स के लिए नए प्रावधान लागू करने का फैसला किया है। इन बदलावों का सीधा असर गेंदबाजों, विकेटकीपर्स, कप्तानों और फर्स्ट क्लास मैचों के संचालन पर पड़ेगा। बोर्ड ने सभी राज्य क्रिकेट संघों, अंपायरों और मैच रेफरी को नए नियमों की जानकारी भेज दी है ताकि आगामी घरेलू सीजन में इनका सख्ती से पालन कराया जा सके।

नए नियमों में सबसे बड़ा बदलाव फ्रंट फुट नो बॉल को लेकर किया गया है। अब यदि कोई गेंदबाज जानबूझकर फ्रंट फुट नो बॉल फेंकता है तो उसे सिर्फ गेंदबाजी से नहीं हटाया जाएगा, बल्कि पूरे मैच से निलंबित कर दिया जाएगा। यानी वह मैच के शेष हिस्से में किसी भी भूमिका में हिस्सा नहीं ले सकेगा। बीसीसीआई का मानना है कि इस नियम से जानबूझकर नियमों का उल्लंघन करने वाले खिलाड़ियों पर अंकुश लगेगा और खेल की निष्पक्षता बनी रहेगी। पहले ऐसे मामलों में गेंदबाज को केवल उस पारी में गेंदबाजी करने से रोका जाता था, लेकिन अब सजा कहीं अधिक कड़ी कर दी गई है।

खतरनाक बीमर पर भी होगी सख्त कार्रवाई- बीसीसीआई ने जानबूझकर खतरनाक बीमर फेंकने वाले गेंदबाजों के खिलाफ भी कड़ा रुख अपनाया है। यदि कोई गेंदबाज बिना टप्पा खाए बल्लेबाज के सिर के ऊपर जाने वाली खतरनाक गेंद जानबूझकर फेंकता है तो उस पर भी वही कार्रवाई होगी जो जानबूझकर नो बॉल फेंकने पर लागू होगी। पहले ऐसे गेंदबाज को केवल मौजूदा पारी में गेंदबाजी करने से रोका जाता था, लेकिन अब वह पूरे मुकाबले से बाहर कर दिया जाएगा। बोर्ड का मानना है कि इससे खिलाड़ियों की सुरक्षा को और मजबूती मिलेगी।

स्पंट के आगे हाथ रख सकेंगे कीपर

बीसीसीआई ने विकेटकीपरों से जुड़े नियमों में भी संशोधन किया है। अब गेंदबाज के रन-अप के दौरान विकेटकीपर अपने हाथ स्टंप्स के आगे रख सकता है, लेकिन जैसे ही गेंद छोड़ी जाएगी, उस समय उसके दस्ताने स्टंप्स के पीछे होने चाहिए। हाल के समय में कई मुकाबलों में विकेटकीपर के दस्ताने समय से पहले स्टंप्स के आगे पाए जाने पर अंपायरों ने नो बॉल करार दिया था। नए नियम का उद्देश्य ऐसी तकनीकी उलझनों को कम करना और खिलाड़ियों के लिए नियमों को अधिक स्पष्ट बनाना है।

मल्टी-डे यानी फर्स्ट क्लास क्रिकेट के लिए भी एक महत्वपूर्ण बदलाव किया गया है। अब दिन के आखिरी ओवर को हर हाल में पूरा कराया जाएगा। यदि आखिरी ओवर की पांचवीं गेंद पर विकेट गिर जाता है तो खेल वहीं समाप्त नहीं होगा। नई बल्लेबाज को मैदान पर आकर अंतिम गेंद का सामना करना होगा और उसके बाद ही दिन का खेल खत्म माना जाएगा। बीसीसीआई का कहना है कि इस बदलाव से खेल संचालन अधिक स्पष्ट होगा और मैच के अंत को लेकर किसी तरह की भ्रम की स्थिति नहीं बनेगी।

वनडे में कप्तानों को मिली नई छूट

वनडे क्रिकेट में भी कप्तानों को बड़ी राहत दी गई है। अब ड्रिंक्स ब्रेक के दौरान कप्तान मैदा+न पर जाकर खिलाड़ियों से बातचीत कर सकेंगे और मैच की रणनीति पर चर्चा कर पाएंगे। पहले ड्रिंक्स ब्रेक के दौरान कप्तानों के मैदान पर आने की अनुमति नहीं थी, जिससे कई बार टीमों को रणनीतिक बदलाव करने में परेशानी होती थी। नए नियम के बाद कप्तान परिस्थितियों के अनुसार खिलाड़ियों को तुरंत निर्देश दे सकेंगे।

घरेलू क्रिकेट को मिलेगा अंतरराष्ट्रीय स्तर का स्वरूप

बीसीसीआई का मानना है कि नए नियमों से घरेलू क्रिकेट में अनुशासन बढ़ेगा, खेल संचालन अधिक पारदर्शी होगा और खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के अनुरूप माहौल मिलेगा। बोर्ड ने सभी संबंधित अधिकारियों को इन नियमों का प्रशिक्षण भी देना शुरू कर दिया है ताकि 2026-27 घरेलू सीजन की शुरुआत से ही इनका प्रभावी तरीके से पालन सुनिश्चित किया जा सके। इन बदलावों के साथ बीसीसीआई का लक्ष्य घरेलू क्रिकेट की गुणवत्ता को और बेहतर बनाना, खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार करना और खेल में निष्पक्षता व सुरक्षा को नई मजबूती देना है।

हॉकी वर्ल्ड कप के लिए 20 सदस्यीय टीम घोषित

50 साल का लंबा इंतजार खत्म करने उतरेगा भारत, हरमनप्रीत होंगे कप्तान

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय हॉकी टीम एक बार फिर विश्व चैंपियन बनने के सपने के साथ एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप 2026 में उतरने जा रही है। 14 से 30 अगस्त तक नीदरलैंड्स और बेल्जियम की संयुक्त मेजबानी में होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए हॉकी इंडिया ने 20 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम की कप्तानी अनुभवी डिफेंडर और स्टार ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह को सौंपी गई है। भारत की नजर 1975 के बाद पहली बार विश्व कप खिताब जीतने पर होगी।

मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने टीम चयन में अनुभवी खिलाड़ियों और युवा प्रतिभाओं के बीच संतुलन बनाने पर जोर दिया है। हरमनप्रीत सिंह के नेतृत्व में डिफेंस में अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, संजय, सुमित और यशदीप सिवाच जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। वहीं मिडफील्ड में मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद और नीलकांत शर्मा टीम की रीढ़ होंगे। आक्रमण की जिम्मेदारी मंदीप सिंह, दिलप्रीत सिंह, अभिषेक, सुखजीत सिंह और शिलानंद लाकड़ा पर रहेगी। कोच का मानना है कि टीम में शामिल युवा खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन के दम पर जगह बनाई है और बड़े मंच पर बेहतर प्रदर्शन करने की क्षमता रखते हैं।

भारत को विश्व कप में पूल-डी में रखा गया है, जहां उसका मुकाबला इंग्लैंड, पाकिस्तान और वेल्स से होगा। भारतीय टीम अपने सभी ग्रुप मैच नीदरलैंड्स के एम्सटेलवीन में खेलेगी। टीम 15 अगस्त को वेल्स के खिलाफ अभियान की शुरुआत करेगी। इसके बाद 17 अगस्त को इंग्लैंड और 19 अगस्त को चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से भिड़ेगी।

प्रो लीग की निराशा भुलाकर नई शुरुआत की तैयारी

विश्व कप से पहले भारत का एफआईएच प्रो लीग अभियान उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा था। टीम अंक तालिका में आठवें स्थान पर रही, लेकिन टीम प्रबंधन का मानना है कि विश्व कप एक नई शुरुआत का अवसर है। कोच क्रेग फुल्टन ने स्पष्ट किया कि टीम की रणनीति प्रेस, काउंटर और परफॉर्म पर आधारित होगी और खिलाड़ी हर मुकाबले को फाइनल की तरह खेलेंगे। भारत ने आखिरी बार 1975 में हॉकी विश्व कप का खिताब जीता था। ऐसे में इस बार हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी वाली टीम के सामने आधी सदी पुराने सूखे को खत्म कर भारतीय हॉकी को फिर से विश्व शिखर पर पहुंचाने की बड़ी चुनौती होगी।

ब्रेक के बाद फिर पूल में उतरे साजन प्रकाश, कॉमनवेल्थ और एशियन गेम्स में पदक जीतने का रखा बड़ा लक्ष्य

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक के बाद मानसिक और शारीरिक थकान के कारण प्रतियोगी तैराकी से ब्रेक लेने वाले भारत के अनुभवी तैराक साजन प्रकाश अब दमदार वापसी के लिए तैयार हैं। 32 वर्षीय साजन ने कहा है कि उनका पूरा ध्यान अब ग्लासगो में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स और सितंबर में आयोजित एशियाई खेलों पर है। उनका सपना इन दोनों बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में पदक जीतकर भारत का नाम रोशन करना है। स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) की ओर से आयोजित एक वर्चुअल बातचीत में साजन ने कहा कि लगातार कड़ी ट्रेनिंग और बेहतर प्रदर्शन की चाह में खिलाड़ी अक्सर अपने शरीर और मानसिक स्थिति को नजरअंदाज कर देते हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि पेरिस ओलंपिक के बाद उनका शरीर पूरी तरह थक चुका था और उसे आराम की जरूरत थी। साजन के मुताबिक, उन्होंने ब्रेक के दौरान महसूस किया कि रिकवरी सिर्फ आराम नहीं, बल्कि एक एथलीट की ट्रेनिंग का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसी वजह से उन्होंने कुछ समय के लिए खुद को प्रतियोगी तैराकी से दूर रखा और अब पहले से अधिक ऊर्जा के साथ वापसी कर रहे हैं।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

रियलिटी शो से क्यों किनारा कर गईं सुनिधि चौहान? सालों बाद खुद बताई असली वजह

बॉलीवुड की मशहूर गायिका सुनिधि चौहान ने आखिरकार उस सवाल का जवाब दे दिया है, जो उनके प्रशंसक लंबे समय से पूछ रहे थे। कई लोकप्रिय सिंगिंग रियलिटी शोज में बतौर जज नजर आ चुकीं सुनिधि ने खुलासा किया कि उन्होंने किसी विवाद या मजबूरी की वजह से नहीं, बल्कि अपनी इच्छा से इन कार्यक्रमों से दूरी बनाई। अभिनेता शेखर सुमन के चैट शो शेखर टुनाइट में उन्होंने इस फैसले के पीछे की वजह खुलकर साझा की।

बातचीत के दौरान शेखर सुमन ने कहा कि सुनिधि हमेशा विवादों से दूर रही हैं और एक समय वह लगभग हर बड़े सिंगिंग रियलिटी शो का हिस्सा होती थीं। इस पर सुनिधि ने कहा कि वह लंबे समय तक इन कार्यक्रमों से जुड़ी रहीं, लेकिन समय के साथ उन्हें महसूस हुआ कि अब

यह मंच उनके विचारों और संगीत के प्रति उनके नजरिए से मेल नहीं खाता। इसलिए उन्होंने खुद ही ऐसे शोज करना बंद कर दिया।

सुनिधि चौहान ने बताया कि संगीत की दुनिया में तकनीक का इस्तेमाल गलत नहीं है, लेकिन उसकी एक सीमा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पहले ऑटो-ट्यून और मेलोडाइन जैसी तकनीकों का उपयोग फिल्मों या एल्बम के गानों को बेहतर बनाने के लिए किया जाता था, लेकिन अब इनका इस्तेमाल रियलिटी शोज में भी होने लगा है। सुनिधि के मुताबिक, रियलिटी शो का उद्देश्य असली और कच्ची प्रतिभा को सामने लाना होता है। अगर वहां भी तकनीक के जरिए आवाज को सुधारा जाए, तो प्रतियोगिता की निष्पक्षता और वास्तविकता दोनों प्रभावित होती हैं।

लाइव परफॉर्मेंस को लेकर भी रखी राय

शो के दौरान शेखर सुमन ने लाइव कॉन्सर्ट में कलाकारों के सामने आने वाली चुनौतियों का भी जिक्र किया। उन्होंने दिवंगत गायक केके और सोनू निगम से जुड़े कुछ घटनाक्रमों का उल्लेख करते हुए सुनिधि से पूछा कि क्या उन्हें भी कभी ऐसे हालात का सामना करना पड़ा है। इस पर सुनिधि ने कहा कि वह खुद को बेहद खुशकिस्मत मानती हैं क्योंकि आज तक उनके साथ मंच पर किसी तरह की अप्रिय घटना नहीं हुई। उन्होंने कहा कि उन्हें हर जगह दर्शकों का भरपूर प्यार, सम्मान और सहयोग मिला है। यही स्नेह उन्हें लगातार बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा देता है। सुनिधि का मानना है कि एक कलाकार और उसके श्रोताओं के बीच सम्मान और भरोसे का रिश्ता ही सबसे बड़ी ताकत होता है।

दिव्यांका त्रिपाठी के जुड़वां बच्चों संग दिखीं हानिका धवन, भावुक पोस्ट ने खींचा ध्यान

मुंबई। टेलीविजन इंडस्ट्री में बाल कलाकार के रूप में अपने करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री रूहानिका धवन ने हाल ही में अपनी ऑनस्क्रीन मम्मी (दिव्यांका त्रिपाठी) के साथ मुलाकात की। इसकी कुछ तस्वीरें उन्होंने मंगलवार को शेयर की। रूहानिका ने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें रूहानिका के साथ दिव्यांका त्रिपाठी, पति विवेक दहिया और उनके जुड़वां बच्चे भी नजर आ रहे हैं। अभिनेत्री ने तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, ÷कभी मैं उनकी छोटी बेटी का किरदार निभाती थी और आज इशिमा के बच्चों को गोद में उठा रही हूं...सच में, जिंदगी ने पूरा एक खूबसूरत चक्कर पूरा कर लिया है। अब तो मैं यह कह सकती हूं कि वह तीन बच्चों की खुशकिस्मत मां बन गई हैं और इन जुड़वां बच्चों को इससे बेहतर और प्यारे माता-पिता नहीं मिल सकते थे। अभिनेत्री रूहानिका धवन द्वारा शेयर की गई तस्वीर हर किसी को पसंद आ रही है।

टेलीविजन ये है मोहब्बतें के कलाकारों समेत कई सेलेब्स ने पसंद करने के साथ कमेंट सेक्शन में प्रतिक्रिया दी। दिव्यांका त्रिपाठी ने कमेंट सेक्शन में लिखा, ÷रूह, तुमने ही मुझे मां बनना सिखाया था। अब ये नन्हे बच्चे अपनी रूह दीदी से बहुत कुछ सीखेंगे। टीवी सीरियल ये है मोहब्बतें में रूहानिका धवन ने दिव्यांका त्रिपाठी की बेटी का किरदार निभाया था, जिसे दर्शकों ने बहुत पसंद किया। यह रिश्ता पर्दे के बाहर भी कायम है। शो के खत्म होने के सालों बाद भी दोनों एक-दूसरे के संपर्क में हैं। रूहानिका दिव्यांका को अपनी मेंटर मानती हैं और उन्हें इशिमा (ये है मोहब्बतें में दिव्यांका त्रिपाठी द्वारा निभाया गया किरदार) कहकर बुलाती हैं।

मेट्रो बाजार

2026 में खरीफ फसलों की बुवाई का रकबा 658 लाख हेक्टेयर के पार

नई दिल्ली। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, मौजूदा खरीफ सीजन में 17 जुलाई तक खरीफ फसलों की कुल बुवाई का रकबा 658.19 लाख हेक्टेयर रहा है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 700.47 लाख हेक्टेयर था।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष अब तक धान की बुवाई 166.41 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में हुई है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 167.83 लाख हेक्टेयर थी। बुवाई क्षेत्र में आई इस कमी का मुख्य कारण इस वर्ष एल नीनो मौसमीय प्रभाव के कारण कमजोर मानसून को माना गया है।

इसी तरह, उड़द और मूंग जैसी दलहनी फसलों का बुवाई क्षेत्र भी घटकर 69.23 लाख हेक्टेयर रह गया है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 81.52 लाख हेक्टेयर था। ज्वार, बाजरा और रागी जैसे मोटे अनाज (श्री अन्न/मिलेट्स) का बुवाई क्षेत्र भी मौजूदा सीजन में अब तक 98.69 लाख हेक्टेयर आंका गया है, जो पिछले वर्ष इसी अवधि के 127.30 लाख हेक्टेयर से कम है।

पहले बोई जाने वाली वार्षिक फसल गन्ने का रकबा इस वर्ष अब तक 119.03 लाख हेक्टेयर तक पहुंचा है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 134.09 लाख हेक्टेयर था। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने विपणन सत्र 2026-27 के लिए 14 खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी को मंजूरी दी है, ताकि किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य मिल सके।

निश्चितताओं के बावजूद भारतीय बाजार में निवेश तेज, डेटा सेंटर भी बना निवेशकों की नई पसंद

नई दिल्ली। भारत का रियल एस्टेट बाजार वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बीच भी निवेशकों के भरोसे पर खरा उतरता दिखाई दे रहा है। 2026 की दूसरी तिमाही (अप्रैल-जून) में देश के रियल एस्टेट क्षेत्र में संस्थागत निवेश तिमाही आधार पर 16 प्रतिशत बढ़कर 1.9 अरब डॉलर तक पहुंच गया। कुशमैन एंड वेकफील्ड की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी से जून 2026 के दौरान कुल संस्थागत निवेश 3.5 अरब डॉलर रहा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में करीब 6 प्रतिशत अधिक है।

रिपोर्ट के मुताबिक दूसरी तिमाही में ऑफिस रियल एस्टेट निवेशकों की पहली पसंद बना रहा। इस क्षेत्र में करीब 1 अरब डॉलर का निवेश हुआ, जो कुल निवेश का 51 प्रतिशत है। लगातार चौथी तिमाही में ऑफिस एसेट्स निवेश के मामले में शीर्ष पर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (तष्टष्ट), प्रमुख शहरों में घटती वैकेंसी और प्रीमियम ऑफिस स्पेस के बढ़ते किराये ने इस क्षेत्र को मजबूती दी है।

ऑफिस सेक्टर के बाद डेटा सेंटर दूसरा सबसे बड़ा निवेश आकर्षित करने वाला क्षेत्र बनकर उभरा। दूसरी तिमाही में इस सेक्टर ने कुल निवेश का 40 प्रतिशत हिस्सा हासिल किया। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ϐद्ब), क्लाउड सेवाओं के विस्तार और डेटा लोकलाइजेशन की बढ़ती जरूरतों ने डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश को नई रफ्तार दी है। इससे डेटा सेंटर परिसंपत्तियां निवेशकों के लिए तेजी से आकर्षक विकल्प बन रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 2026 की पहली छमाही में घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 2.2 अरब डॉलर का निवेश किया, जो कुल निवेश का 64 प्रतिशत रहा। पिछले वर्ष यह हिस्सेदारी 43 प्रतिशत थी, जिससे साफ है कि घरेलू निवेशकों की सक्रियता तेजी से बढ़ी है।

एंटी-सबमरीन वॉरफेयर में भारत की ताकत बढ़ी नौसेना में शामिल हुआ स्वदेशी युद्धपोत 'मालवन'

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना की एंटी-सबमरीन वॉरफेयर क्षमता को और मजबूती मिली है। स्वदेशी तकनीक और करीब 80 प्रतिशत भारतीय उपकरणों से निर्मित युद्धपोत 'मालवन' को भारतीय नौसेना में औपचारिक रूप से कमीशन किया गया है। इस पोत के शामिल होने से समुद्री क्षेत्र में निगरानी और पनडुब्बी रोधी अभियानों की क्षमता बढ़ेगी। अत्याधुनिक सेंसर और तकनीकी प्रणालियों से लैस यह पोत समुद्र में संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी करने के साथ पनडुब्बियों का पता लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। 'मालवन' को भारतीय नौसेना की बढ़ती जरूरतों और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। पोत के निर्माण में बड़ी मात्रा में स्वदेशी उपकरणों और तकनीक का इस्तेमाल किया गया है, जिससे रक्षा क्षेत्र में घरेलू विनिर्माण को भी बढ़ावा मिला है। नौसेना में इसके शामिल होने से तटीय और समुद्री सुरक्षा व्यवस्था को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

भारतीय फार्मा कंपनियों पर पड़ेगा बड़ा असर

अमेरिका में जेनेरिक दवाओं पर 200% तक टैरिफ लगाने जा रहे डोनाल्ड ट्रंप

वॉशिंगटन डीसी। एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आज घोषणा की कि अमेरिका अगस्त 2028 से विदेश से आयात होने वाली जेनेरिक दवाओं पर भारी आयात शुल्क (टैरिफ) लगाएगा। उन्होंने कहा कि इस कदम का मकसद जेनेरिक दवाओं का उत्पादन अमेरिका के भीतर कराना है। इस फैसले का असर भारत पर पड़ सकता है, क्योंकि भारत अमेरिका को जेनेरिक दवाओं का सबसे बड़ा निर्यातक है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर कहा कि 1 अगस्त 2026 से अमेरिका में आने वाली सभी जेनेरिक दवाओं पर अगले दो साल तक टैरिफ शून्य फीसदी रहेगा। इसके बाद एक साल के लिए इसे 100 फीसदी कर दिया जाएगा। उसके बाद यह बढ़ाकर 200 फीसदी कर दिया जाएगा।

नई नीति में क्या बदलेगा?

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि इस नीति का मकसद अमेरिका के लोगों के हितों की रक्षा करना है। उन्होंने यह भी कहा कि पेटेंट वाली, ब्रांडेड और नई दवाओं से जुड़ी मौजूदा नीति में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा और वह पहले की तरह जारी रहेगी। भारत को अक्सर 'दुनिया की दवा दुकान' कहा जाता है, क्योंकि वह दुनिया के कई देशों को जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराता है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) की एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2025 में भारत ने अमेरिका को 9.7 अरब अमेरिकी डॉलर की दवाओं का निर्यात किया। यह भारत के कुल वैश्विक दवा निर्यात 25.8 अरब अमेरिकी डॉलर का 36 प्रतिशत था।

डोनाल्ड ट्रंप ने क्या कहा...

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि 1 अगस्त 2026 से अमेरिका में लाई जाने वाली सभी जेनेरिक दवाओं पर अगले दो साल तक शून्य फीसदी आयात शुल्क रहेगा। इसके बाद एक साल के लिए यह 100 फीसदी होगा और उसके बाद 200 फीसदी कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह फैसला इसलिए लिया गया है, ताकि जेनेरिक दवाओं का उत्पादन फिर से अमेरिका में शुरू हो। उन्होंने कहा कि जो कंपनियां तय समय के भीतर अमेरिका में कारखाने और जरूरी उपकरण नहीं लगाएंगे, उन्हें इस नीति के तहत दंड का सामना करना पड़ेगा।

जेनेरिक दवाओं का इस्तेमाल

भारत में बनी जेनेरिक दवाएं उच्च रक्तचाप, मधुमेह, कैंसर, संक्रामक रोगों और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी बीमारियों के इलाज में बड़े पैमाने पर इस्तेमाल की जाती हैं।

ओमाहा : 74 साल पहले क्रैश हुए विमान पैन एम का मलबा मिला

ओमाहा. एजेंसी

अमेरिका के नेब्रासका राज्य का सबसे बड़े शहर ओमाहा से करीब 74 साल पहले समुद्र में दुर्घटनाग्रस्त हुए पैन एम के क्लिपर एंडेवर विमान का मलबा आखिरकार मिल गया है। यह खोज सिर्फ एक पुराने प्लेन के मलबे को ढूंढ़ने तक सीमित नहीं है, बल्कि आधुनिक हवाई यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था से भी जुड़ी हुई है। यही वह दुर्घटना थी, जिसने आज हर उड़ान से पहले यात्रियों को दी जाने वाली सेफ्टी ब्रीफिंग और बेहतर लाइफ जैकेट जैसी व्यवस्थाओं की जरूरत को दुनिया के सामने रखा। इस हादसे के बाद दुनिया में एविएशन से जुड़े कई बड़े नियम बदल गए थे।

यह हादसा गुड फ्राइडे, 1952 को हुआ था। पैन एम का डीसी-4 क्लिपर एंडेवर विमान समुद्र में इमरजेंसी लैंडिंग करने के बाद कुछ ही मिनटों में डूब गया था। जांच में सामने आया कि विमान की पानी पर लैंडिंग के बाद सभी यात्री और क्रू के सदस्य जिंदा थे, लेकिन इसके बाद अफरा-तफरी मच गई। कई यात्री समुद्र में उतरने से डर रहे थे, उन्हें लाइफ जैकेट नहीं मिल रही थी और क्रू को भी लाइफ राफ्ट या बचाव नौका बाहर निकालने में दिक्कत हुई। इसी अफरा-तफरी के बीच कुछ ही मिनटों में विमान डूब गया। इस हादसे में 52 लोगों की मौत हुई थी, जबकि 12 यात्री और क्रू के 5 सदस्य किसी तरह बच गए थे।

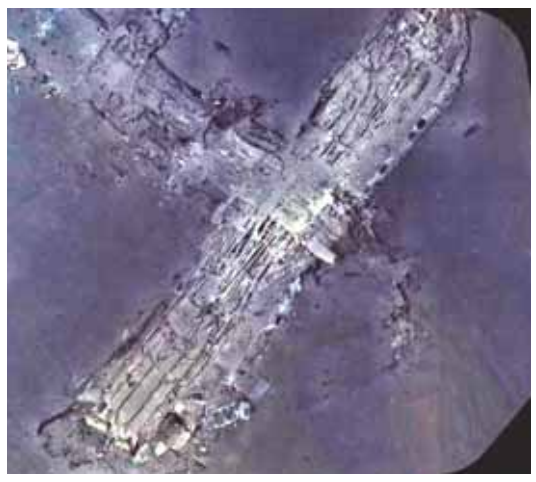

दूसरी कोशिश में मिला विमान का मलबा

साल 2024 में विमान को खोजने की पहली कोशिश खराब मौसम की वजह से सफल नहीं हो सकी। उस समय टो किए जाने वाले सोनार सिस्टम का इस्तेमाल किया गया था। इस अभियान की शूटिंग डिस्कवरी चैनल के कार्यक्रम 'एक्सपेडिशन अननोन' के लिए भी की गई थी। इसके बाद रस मैथ्यूज और उनकी एयर/सी हेरिटेज फाउंडेशन की टीम ने तय किया कि दुर्घटना की 75वीं वर्षगांठ से पहले एक बार फिर कोशिश की जाएगी। इस बार उन्होंने ऐसे आधुनिक ऑटोनॉमस अंडरवॉटर ड्रोन को इस्तेमाल करने का प्लान बनाया, जिन्हें मूल रूप से समुद्र के भीतर बारूदी सुरंगें खोजने जैसे सैन्य कार्यों के लिए विकसित किया गया था। बता दें कि इस विमान को खोजने की शुरुआत 2019 में हुई। शोधकर्ता रस मैथ्यूज का ध्यान इस हादसे की ओर तब गया, जब उन्होंने पढ़ा कि इस विमान का एक लगेज टैग फ्लोरिडा के तट पर बहकर पहुंचा था। इसके बाद उन्होंने इस ऐतिहासिक दुर्घटना पर गहराई से रिसर्च शुरू की। उन्होंने कई साल तक पैन एम एयरलाइंस, अमेरिकी कोस्ट गार्ड और उस समय की जांच एजेंसी सिविल एरोनॉटिक्स बोर्ड के रिकॉर्ड खंगाले। सबसे अहम सुराग उन्हें प्यूर्टो रिको में हुई दुर्घटना संबंधी सुनवाई के रिकॉर्ड और उस नक्शे से मिला, जिसे अमेरिकी एयरफोर्स के उन पायलटों ने तैयार किया था जिन्होंने प्रशिक्षण उड़ान के दौरान इस हादसे को अपनी आंखों से देखा था।

ऑस्ट्रेलियाई महिला ने दिया एक जैसी दिखने वाली 4 बच्चियों को जन्म, डॉक्टर्स रह गए दंग

लुइसविले. एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया की एक महिला इस समय चर्चा में है। इस महिला ने एक जैसी दिखने वाली 4 बच्चियों को जन्म दिया है, जिसे देखकर डॉक्टर्स भी हैरान रह गए हैं। डॉक्टरों ने इस प्रेग्नेंसी को बेहद दुर्लभ बताया है।

मां बनी महिला की उम्र 34 साल है और उसका नाम जेनिटर साउ नाआमोआना है। इस महिला ने बीते हफ्ते इन बच्चियों को जन्म दिया, जबकि उनके पहले से भी 4 बच्चे हैं। यानी अब वह कुल 8 बच्चों की मां बन गई हैं। महिला ने

क्वींसलैंड प्रांत के 'रॉयल ब्रिसबेन एंड विमेन्स हॉस्पिटल' में 4 बच्चियों को जन्म दिया था। महिला की डॉक्टर एलेक्सा बेंडाल ने अस्पताल द्वारा जारी एक इंटरव्यू में बताया कि बच्चियां प्राकृतिक रूप से गर्भ में आईं और एक ही निषेचित अंडे के चार हिस्सों में बंटने से उनका जन्म हुआ। उन्होंने इस घटना को अविश्वसनीय बताया। डॉक्टर बेंडाल ने कहा, 'हमारा मानना है कि इस तरह का मामला करीब डेढ़ करोड़ में से एक आता है। हमें नहीं लगता कि ऑस्ट्रेलिया में पहले ऐसा कभी हुआ हो। अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि नाओमोआना और उनके पति जोर्थम पहले से 4 बच्चों के माता-पिता थे, इसलिए उनकी और बच्चे पैदा करने की योजना नहीं थी। लेकिन जब वह एक साथ 4 बच्चों की मां बनने वाली थीं, तो उन्हें काफी हैरानी हुई।

हत्या के आरोपी नाबालिगों पर बालिगों जैसा मुकदमा संभव : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर कानूनी शर्तें पूरी होती हैं तो हत्या के आरोपित नाबालिग पर बालिग की तरह मुकदमा चलाया जा सकता है, क्योंकि किशोर न्याय कानून के तहत ऐसा अपराध जघन्य अपराध की श्रेणी आता है। जस्टिस जेबी पार्डीवाला और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने यह टिप्पणी एक नाबालिग की अपील को खारिज करते हुए की। उसने पटना हाई कोर्ट के उस फैसले के खिलाफ अपील की थी, जिसमें एक लड़के की हत्या के मामले में उस पर बालिग की तरह मुकदमा चलाने की अनुमति दी गई थी। नाबालिगों पर वयस्कों की तरह मुकदमा चलाने के कानूनी ढांचे को स्पष्ट करने के उद्देश्य से दिए गए इस फैसले में कहा गया कि हत्या को किशोर न्याय अधिनियम, 2015 के तहत जघन्य अपराध माना जाना चाहिए।

यूपी : किशोरी को अगवा कर तीन युवकों ने किया सामूहिक दुष्कर्म, गिरफ्तार

लखनऊ. एजेंसी

लखनऊ में तीन युवकों ने एक युवती का अगवा करके सामूहिक दुष्कर्म किया। इस मामले में गिरफ्तारी भी हो गई। सहेली के घर से लौट रही 15 वर्षीय किशोरी को कार सवार तीन युवकों ने अगवा कर सामूहिक दुष्कर्म किया। विरोध करने पर बेरहमी से पीटा। घटना के बाद शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी देते हुए सड़क पर छोड़कर भाग गए। किशोरी ने देर रात एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इंस्पेक्टर अलीगंज ध्रुव कुमार ने बताया कि मूलरूप से हरदोई निवासी किशोरी परिवार के साथ अलीगंज क्षेत्र में किराये के मकान में रहती है। वह 9वीं में पढ़ती है। उसके पिता कारपेंटर हैं। सोमवार दोपहर किशोरी सहेली के घर गई थी। शाम करीब सात बजे अकेले घर लौट रही थी। 60 फीट रोड के पास कार सवार तीन युवकों ने उसे जबरन कार में घसीट लिया। शोर मचाने पर मुंह दबा दिया। इसके बाद एक कमरे में ले जाकर सामूहिक दुष्कर्म किया। एक घंटे तक बंधक बनाए रखने के बाद आरोपी कार से उसको 60 फीट रोड के पास छोड़कर भाग गए। बदहवास हालत में किशोरी घर पहुंची और परिजनों को घटना के बारे में बताया। पुलिस ने किशोरी की तहरीर पर उसके पूर्व मकान मालिक के बेटे जतिन बाजपेई, उसके दोस्त दीपक व उनके एक अज्ञात साथी के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज की है।

मेट्रो एंकर **विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट में खुलासा, हमलों की वजह भी आई सामने**

दुनियाभर में 10 में से 4 स्वास्थ्यकर्मी हिंसा के हो रहे शिकार

मुंबई, एजेंसी

मुंबई के डोंबिवली के शास्त्री नगर अस्पताल में डॉक्टरों के साथ हुई मारपीट के बाद चिकित्सा जगत में भारी आक्रोश है। ऐसे में अब डॉक्टरों की सुरक्षा की मांग और होने वाले हिंसा के विरोध में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने एक डिजिटल ग्रिड जारी किया है, जिसमें हाल के वर्षों में देशभर में डॉक्टरों पर हुए 100 हमलों का ब्यौरा दर्ज किया गया है। दूसरी ओर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रों के अनुसार, डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों के खिलाफ हिंसा अब सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक बड़ी चिंता बन गई है। बात अब अगर डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट की करें

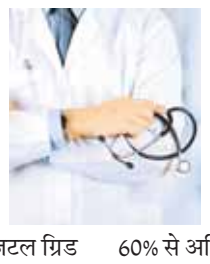

तो, रिपोर्ट में जारी आंकड़े बताते हैं कि दुनिया भर में 10 में से 4 लगभग 40% स्वास्थ्यकर्मियों को अपने कॅरियर के दौरान शारीरिक हिंसा का सामना करना पड़ता है। अगर इसमें अभद्र भाषा और गाली-गलौज को भी जोड़ दिया जाए, तो यह आंकड़ा 60% से अधिक हो जाता है।

विभिन्न देशों में कैसी है स्थिति

स्पेन के एक मेडिकल जर्नल 'अटेंशन प्राइमारिया' के अनुसार, डॉक्टरों पर हमले के मामले जर्मनी में 91%, चीन में 90%, पेरू में 84.5%, तुर्किए में 84% और भारत में 77.3% तक देखे गए हैं। वहीं, इस बात को ऐसे समझा जा सकता है कि स्पेन ने स्वास्थ्यकर्मियों पर हमले को 'राज्य के खिलाफ अपराध' घोषित किया, जिसके बाद वहां ऐसे हमलों में 50% की कमी आई। वहीं सिंगापुर में डॉक्टरों या स्वास्थ्यकर्मियों के साथ दुर्व्यवहार करने पर 5000 सिंगापुर डॉलर का जुर्माना या 1 साल तक की जेल या दोनों का कड़ा प्रावधान है।

हिंसा के मुख्य कारण

विशेषज्ञों के अनुसार, मुंबई से लेकर सिंगापुर तक डॉक्टरों पर हमलों के कारण एक जैसे ही हैं। जैसे कि अस्पतालों में अत्यधिक भीड़ और कर्मचारियों की कमी।इलाज के लिए लंबा इंतजार और मरीजों और उनके परिजनों का का धैर्य खोना। मरीज के परिजनों और डॉक्टरों के बीच सही संवाद न होना। इसके अलावा हिंसा का बड़ा जिम्मेदार लोगों का यह सोचना भी है कि पैसा खर्च करने के बाद मरीज का 100% ठीक होना तय है।

कड़े कानून भी नहीं रोक पाए हमले

बता दें कि भारत में 19 राज्यों ने स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा के लिए विशेष कानून बनाए हैं, लेकिन इसके बावजूद हमले थम नहीं रहे हैं। उदाहरण के तौर पर महाराष्ट्र में 2010 से 2021 के बीच डॉक्टरों पर हमले के 738 मामले दर्ज हुए, लेकिन उनमें से केवल 4 मामलों में ही सजा हो सकी। ऐसे में महाराष्ट्र मेडिकल काउंसिल के पूर्व सदस्य डॉ. सुहास पिंगले का कहना है कि भारत को एक मजबूत केंद्रीय कानून की सख्त जरूरत है। उन्होंने यह भी बताया कि देश में स्वास्थ्य बजट कुल बजट का मुश्किल से 2% है, जिससे डॉक्टरों को कम समय में सैकड़ों मरीज देखने पड़ते हैं और तनाव का माहौल बनता है।

सब्जी बेचकर लौट रहे पिता-पुत्र पर गिरी आकाशीय बिजली, मौत

पलामू. एजेंसी। झारखंड के पलामू जिले में मंगलवार देर रात आकाशीय बिजली की चपेट में आने से पिता-पुत्र की मौत हो गई। दिल दहला देने वाली यह घटना पांकी थाना क्षेत्र के पुरुषोत्तमपुर गांव की है। पुलिस के मुताबिक, दोनों सब्जी बेचकर मोटरसाइकिल से अपने घर लौट रहे थे, तभी रास्ते में बिजली गिरने से उनकी जान चली गई। मृतकों की पहचान 55 साल के बालमुकुंद यादव और उनके 32 साल के बेटे दिलीप यादव के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि दोनों अपने घर से करीब 200 मीटर दूर थे, तभी उन पर बिजली गिरी और दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। पांकी थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने बताया कि शवों का पोस्टमॉर्टम बुधवार को मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में कराया जाएगा।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक राजेश सिरोठिया द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन : 0755-7963564